शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 353 | गुवाहाटी | मंगलवार, 23 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्यसभा : तीन साल में मंत्रियों ने दिए 913 आश्वासन, 583 लागू पेज 2
पूरबी डेयरी ने असम सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर पेज 3
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के लिए जीत का मंत्र दिया पेज 5
पेरिस में दूसरे देशों के लिए चमक बिखेरेंगे भारतीय मूल के ये खिलाड़ी, इनमें से ... पेज 7

अर्थव्यवस्था की स्थिति बेहतर, 2024-25 में 6.5 से 7 फीसदी की दर से बढ़ेगी जीडीपी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को वित्त वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वेक्षण लोकसभा में पेश किया। आर्थिक सर्वेक्षण पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति बेहतर है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 8.2 फीसदी रही है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान विकास दर 6.50 से 7.00 फीसदी रहने का अनुमान है। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-2024 को राज्यसभा में भी पेश किया गया। वित्त मंत्री निर्मम सीतारमण ने लोकसभा में पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 6.5-7.0 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चित आर्थिक प्रदर्शन के बावजूद घरेलू स्तर पर वृद्धि कारकों ने आर्थिक वृद्धि को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 मैं सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 8.2 फीसदी रही है। आर्थिक स्वेक्षण मैं कहा गया है कि दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और उसके प्रभाव से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मांद्रिक नीति पर भी असर दिखाई देगा। देश में मानसून सामान्य रहने की उम्मीद और आयात कीमतों में नरमी से महंगाई के मोर्चे पर राहत मिल सकती है। वित्त मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और रिजर्व बैंक के अनुमान *दुरुसत* नजर आते हैं। हालांकि, आरबीआई ने पहले ही महंगाई को लेकर अपने अनुमान को जाहिर किया है। आर्शिक सर्वेक्षण पेश करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत, चीन से विदेशी निवेश से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी बढ़ा सकता है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत -शेष पृष्ठ दो पर

आर्थिक सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था की मौजूदा ताकत को उजागर करता है : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण हमारी अर्थव्यवस्था की मौजूदा ताकत को उजागर करता है और सरकार द्वारा लाए गए विभिन्न सुधारों के परिणामों को भी प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि आर्थिक सर्वेक्षण हमारी अर्थव्यवस्था की मौजूदा ताकत को उजागर करता है और सरकार द्वारा लाए गए विभिन्न -शेष पृष्ठ दो पर

इकोनॉमिक सर्वे में सरकार का पक्ष *सब चंगा सी* जैसा : गौरव

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री के सोमवार को लोकसभा में पेश किए गए। इकोनॉमिक सर्वे की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की है। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार द्वारा जो इकोनॉमिक सर्वे प्रस्तुत किया गया है, उस इकोनॉमिक सर्वे से जमीनी हालात बिल्कुल परे हैं। उन्होंने कहा कि इकोनॉमिक सर्वे में सरकार का पक्ष *सब चंगा सी* जैसा है। जबकि असलियत में लोगों की हालत ठीक नहीं है। सरकार आज भी महंगाई को नियंत्रित नहीं कर पाई है। गोगोई ने कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उपनेता गोगोई ने कहा कि अमीर को महंगाई से फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन गरीब-मध्यम वर्ग के लिए यह -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक निराशावादी इंसान हर मौके पर सिर्फ कठिनाइयों को ही देखता है, जबकि एक आशावादी इंसान हर कठिनाई में मौके देखता है।।

– अज्ञात

न्यूज गैलरी

बिहार के गंगा जहाज घाट पर 11 शिवभक्त डूबे, चार की मौत

भागलपुर (हि.स.)। बिहार के भागलपुर जिले में रविवार रात करीब दो बजे सावन के पहले सोमवार के लिए गंगा नदी से जल लेने गए 11 शिवभक्त डूब गए। इनमें से चार लोगों की मौत हो गई और शेष सात को बचा लिया गया। यह हादसा जिले के भवानीपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर गंगा जहाज -शेष पृष्ठ दो पर

आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर लगी आग, एक नौसैनिक लापता

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के फ्रिगेट जहाज आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर रविवार की शाम आ लग गई। जहाज पर लगी आग को बुझा लिया गया है। लेकिन आग की घटना के बाद जहाज एक तरफ झुक गया है। जहाज अपनी बर्थ के साथ-साथ और भी झुकता चला गया और फिलहाल -शेष पृष्ठ दो पर

नौकरी के लिए पैसे लेने के मामला

अदालत ने एपीएससी अध्यक्ष समेत 31 अन्य को दोषी ठहराया

गुवाहाटी। असम में कृषि विकास अधिकारियों (एडीओ) की नियुक्ति से संबंधित नौकरी के लिए नकदी मामले में एक विशेष अदालत ने सोमवार को असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार पॉल और 31 अन्य को दोषी ठहराया। विशेष न्यायाधीश दीपांकर ठाकुरिया ने यहां भांगागढ़ पुलिस थाने में 2017 में दर्ज मामले के संबंध में सबूतों के अभाव में 11 अन्य को बरी कर दिया, जबकि एक व्यक्ति सरकारी गवाह बन गया। पॉल के साथ आयोग के दो अन्य सदस्यों, बसंत कुमार दलै और समेदुर रहमान तथा अन्य अधिकारियों और बिचौलियों को एडीओ भर्ती परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों के अंकों में हेराफेरी करने के मामले में दोषी ठहराया गया था। न्यायाधीश ने अभी तक दोषी व्यक्तियों की सजा की घोषणा नहीं की है। नौकरी के लिए अर्हता प्राप्त करने में असफल रहे एक अभ्यर्थी ने शिकायत दर्ज कराई थी और मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वित्तीय लेनदेन के बदले में दूसरे अभ्यर्थी के अंक बढ़ा दिए गए थे। उन्होंने इससे पहले अंकों के सारणीकरण में बदलाव से संबंधित जानकारी के लिए आरटीआई दायर की थी और दावा किया था कि उन्होंने इसकी रिपोर्ट के आधार पर शिकायत दर्ज की थी। पॉल को एपीएससी के अन्य सदस्यों और अधिकारियों के साथ सिविल, पुलिस और अन्य सेवा अधिकारियों की भर्ती के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) से संबंधित नौकरी के लिए पैसे लेने के एक अन्य मामले में गिरफ्तार किया गया था। एपीएससी नकदी के बदले नौकरी घोटाले में उलझा हुआ था और असम पुलिस ने 2016 से पॉल और 57 सिविल सेवा अधिकारियों सहित लगभग 70 लोगों को गिरफ्तार किया था। पॉल को नवंबर 2016 में डिब्रूगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया था और मार्च 2023 में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। सीसीई से संबंधित मामले की जांच वर्तमान में गौहाटी उच्च न्यायालय के निर्देश पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही है।

असम-नगालैंड सीमा के पास संदिग्ध नगा बदमाशों ने की गोलीबारी

जोरहाट। असम-नगालैंड सीमा पर रविवार रात गोलीबारी की घटना के कारण तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। यह घटना मरियानी के डिसोई घाटी रिजर्व फॉरेस्ट के पास घटी, जहां यह संदेह है कि कुछ सशस्त्र नगा बदमाशों ने असम के लोगों के मवेशियों पर कथित तौर पर गोलीबारी की। सौभाग्यवश, घटना में कोई घायल नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मवेशी कोमोरा साओरा -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में प्रतिबंधित उग्रवादी समूहों के छह कैडर गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में विभिन्न प्रतिबंधित उग्रवादी समूह के 6 कैडरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मणिपुर में संयुक्त सुरक्षा बल राज्य भर में उग्रवादियों के विरुद्ध अभियान चला रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता ने आज बताया कि इंफाल पूर्वी जिले से खोइरोम रंजीत मैतेई उर्फ रौकी (44) को गिरफ्तार किया गया है। वह कांगलीपाक कम्युनिस्ट -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम शर्मा ने पीएम मोदी से की मुलाकात बाढ़ की स्थिति से कराया अवगत

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति में अब धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। राज्य के 11 जिलों में प्रभावित लोगों की संख्या घटकर 95 हजार हो गई है। इस बीच मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान राज्य की स्थिति से अवत कराया। सीएम शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी का आशीर्वाद और मार्गदर्शन लेने का पूर्ण सौभाग्य मिला। बैठक के दौरान मैंने उन्हें असम में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी दी और हमारे लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों से -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल की सुरक्षा का खर्चा परिवार नहीं, सरकार उठा रही : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। वह कांग्रेस की तीखी आलोचना करते है। इन सब के बीच कांग्रेस उनकी सुराक्षा को लेकर सवाल खड़े कर रही है। इसी कड़ी में शर्मा ने पलटवार किया है। हिमंत विश्व शर्मा ने एक वीडियो संदेश में कहा कि किसी की सुरक्षा पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लिखा कि मैं हैरान हूं। असम में कांग्रेस के लोग मुख्यमंत्री की सुरक्षा के खर्चे पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेसियों को शायद पता नहीं कि राहुल गांधी हों या खड़गे जी, -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं बनता : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। वित्त मंत्रालय का कहना है कि बिहार को राष्ट्रीय विकास परिषद (एनटीसी) के मानदंड के अनुरूप फिलहाल विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि अब तक राष्ट्रीय विकास परिषद की ओर से तय किए गए मानदंडों के आधार पर कुछ राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया है। मानदंडों में ऊंचाई और दुर्गम परिस्थिति, कम -शेष पृष्ठ दो पर

नेमप्लेट विवाद पर यूपी सरकार को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटलों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने यूपी प्रशासन के फैसले पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं। दुकान मालिकों को नाम बताने की जरूरत नहीं है। दुकानदारों को सिर्फ खाने के प्रकार बताने की जरूरत है। मतलब यह कि दुकान पर सिर्फ लिखे होन की जरूरत -शेष पृष्ठ दो पर

अब आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल हो सकेंगे सरकारी कर्मचारी

मोदी सरकार ने हटाया 58 साल पुराना आदेश, संघ ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय सरकार ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसके अनुसार केंद्रीय कर्मचारियों को अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष में केंद्र सरकार द्वारा यह तोहफा माना जा रहा है। केंद्र सरकार के अधिनिष्ठ कर्मचारी जो संघ के स्वयंसेवक के कार्यक्रमों में शामिल होना चाहते थे, पाबंदियों की वजह से उसमें शामिल नहीं हो सकते थे। यह निर्णय सरकारी कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत की बात है, क्योंकि पहले उन्हें आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर पाबंदियां थीं। यह आदेश केंद्र सरकार द्वारा लिया गया है, जिसमें सभी पूर्व निर्णयों को संशोधित किया गया है जो सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की -शेष पृष्ठ दो पर

तीन नए क्रिमिनल लॉ के खिलाफ किसान करेगा दिल्ली कूच

नई दिल्ली। किसान संगठनों ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है कि वे 1 अगस्त को मोदी सरकार की *अर्थी* जलाएंगे। इसके साथ ही, एमएसपी पर कानूनी गारंटी की मांग को लेकर जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करेंगे। किसानों ने अपनी रणनीति के तहत 15 अगस्त को पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च का आयोजन करने का फैसला किया है। इस दौरान, वे तीन नए क्रिमिनल कानूनों के विरोध में दिल्ली की ओर कूच करने की तैयारी कर रहे हैं। किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में ट्रैक्टर मार्च की घोषणा की है। -शेष पृष्ठ दो पर

बाइडेन से नहीं, कमला हैरिस से हो सकता है डोनाल्ड ट्रंप का सामना

वाशिंगटन (हि.स.)। कुछ दिन पहले कोविड-19 की चपेट में आए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अचानक राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा न लेने का ऐलान कर सभी को चौंका दिया। हालांकि कुछ समय से उन पर उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी का इसके लिए दबाव बढ़ रहा था। 81 वर्षीय बाइडेन ने इच्छा जताई है कि उनके स्थान पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को पार्टी चुनाव लड़ाए। वह उनकी उम्मीदारी का समर्थन करेंगे। बाइडेन के इस रुख से साफ है कि रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सामना डेमोक्रेट कमला हैरिस कर सकती हैं। अमेरिका के प्रमुख अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, बाइडेन के अचानक दौड़ से पीछे हटने के -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद हालात शांत पर इंटरनेट सेवा ठप

ढाका। बांग्लादेश में कई हफ्तों से जारी विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद सरकारी नौकरियों से जुड़ी विवादास्पद कोटा प्रणाली को वापस लेने के फैसले से हालात शांत होने के बावजूद इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं अब भी ठप हैं। सरकार ने सोमवार को सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किया है और केवल आवश्यक सेवाएं चालू रहेंगी। देश में कुछ दिन पहले ही देखते ही गोली मारने के आदेश के साथ कर्फ्यू लगा दिया गया था और सैन्यकर्मी राजधानी और अन्य क्षेत्रों में गश्त कर रहे थे। देश में पुलिस और मुख्य रूप से छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारी 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले दिग्गजों के रिश्तेदारों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। कम से कम चार स्थानीय समाचार पत्रों में बताया गया है कि हिंसा में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने अब तक मौतों के आधिकारिक आंकड़े -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार नहीं दे सकती किसी पड़ोसी मुल्क के लोगों को शरण : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश को शरण देने की बात कही थी। उनके इस बयान के बाद अब भारतीय जनता पार्टी के नेता रविशंकर प्रसाद ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह अधिकार भारत सरकार का है, राज्य सरकार का नहीं। रविशंकर प्रसाद ने एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए आगे कहा कि ममता बनर्जी ने कल कहा था कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने दरवाजे खुले रखेंगी और किसी को भी पश्चिम बंगाल में प्रवेश नहीं करने देंगी। ममता जी, आप वही व्यक्ति हैं जिन्होंने सीएए के बारे में कहा था कि हम हिंसा से पीड़ित -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राज्यसभा : तीन साल में मंत्रियों ने दिए 913 आश्वासन, 583 लागू

नई दिल्ली। राज्यसभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने बताया कि नीतियों में बदलाव और संशोधन की आवश्यकता के कारण कुछ आश्वासनों को लागू नहीं किया जा सका है। उन्होंने आगे बताया कि इन आश्वासनों को आश्वासन की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर पूरा किया जाना जरूरी है। हालांकि, कुछ आश्वासनों को समय पर लागू नहीं किया जा सका और आश्वासन समिति से समय-सीमा बढ़ाए जाने की मांग की गई है। जानकारी के मुताबिक संसद के 253वें सत्र में कुल 120, 254वें सत्र में 105, 255वें सत्र में 25, 256वें सत्र में 221, 257वें सत्र में 70, 258वें सत्र में 95, 259वें सत्र में 118, 260वें सत्र में 99, 261वें विशेष सत्र में शून्य आश्वासन और 262वें सत्र में 60 आश्वासन दिए गए थे। वहीं वाईएसआरसीपी सांसद रयागा कृष्णैया की तरफ से पूछे गए सवालों का उत्तर देते हुए मंत्री एल. मुरुगन ने बताया कि संसदीय कार्य मंत्रालय ने ऑनलाइन आश्वासन निगरानी प्रणाली (ओएएमएस) नामक एक सॉफ्टवेयर तैयार किया है और सभी मंत्रालयों को आईडी और पासवर्ड भी दिए गए हैं। सभी मंत्रालय इस पोर्टल पर कार्यान्वित रिपोर्ट अपलोड, किसी आश्वासन को छोड़ने का अनुरोध और आश्वासनों की पूर्ति के लिए विस्तार की मांग कर सकते हैं। जिसमें आश्वासनों के समय पर कार्यान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं।

हिंसा की वजह से भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापार लगातार दूसरे दिन ठप

कोलकाता। बांग्लादेश में हिंसा अभी भी जारी है और इसका असर व्यापार पर भी पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल के बंदरगाहों से भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले वाला व्यापार लगातार दूसरे दिन सोमवार को भी ठप रहा। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि एक तय संख्या में यात्रियों की आवाजाही जारी है। उधर, बांग्लादेश के पेट्रापोल बंदरगाह से माल ढोने वाले ट्रकों के पहिए भी रविवार से थमे हुए हैं। बांग्लादेश में हिंसक घटनाओं की वजह से सरकार ने अवकाश घोषित किया हुआ है। आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर बाकी सभी सेवाओं पर फिलहाल रोक लगाई गई है। आपको बता दें कि पेट्रापोल बंदरगाह उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में स्थित है। यह बंदरगाह दक्षिण एशिया के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है। यह बंदरगाह भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार में अहम भूमिका निभाता है। सामान्य दिनों में यहां से हर दिन सैकड़ों मालवाहक ट्रक गुजरते हैं। पेट्रापोल बंदरगाह में भारतीय अधिकारी कमलेश सैनी का कहना है कि व्यापार पर फिलहाल रोक लगाई गई है। हालांकि, लोगों, खास तौर पर छात्रों की आवाजाही जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक 700 से अधिक छात्र पेट्रापोल बंदरगाह पहुंचे हैं। कमलेश सैनी ने आगे बताया कि अब तक 4,500 से अधिक भारतीय छात्रों की बांग्लादेश से वतन वापसी कराई गई है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में हिंसा की वजह से 100 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

Apollo Hospitals Chennai
LIVER SPECIALIST / TRANSPLANT TEAM
Apollo HOSPITALS
DR. SENTHIL GNANSEKARAN, MBBS, MS, MRCS, DNB, MCH(AIMS) PDF
Will be available only for consultation at **Guwahati**
ON 4th August'2024
Patients suffering from Upper Abdominal Pain & discomfort, Blood Vomitting Liver Failure, Hepatitis B & C, Alcoholic Liver Disease, Pancreas complaints, Liver Cirrhosis & Liver Tumour, Fatty Liver, Jaundice, Gallbladder Stones,require liver Transplantation etc can Call.
APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
UROLOGIST
Apollo HOSPITALS
Dr Nitesh Jain MBBS, MS(Gen Surg), M.Ch (Urology)
Will be available only for consultation at **Guwahati**
ON 3rd August'2024
Patients suffering from frequency of urine, Urinary incontinence, Bladder problems, Kidney stones & any renal stone, Sexual problems and Prostate enlargement etc may register their names in advance at:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp By Lane 10
Ph: 8404037649, 03613102669, 0361 3102166

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार की शाम को फ्लाईओवर के पास बेहरबाड़ी में अवैध ड्रग्स की बिक्री के बारे में एक विश्वसनीय स्रोत से प्राप्त जानकारी के आधार पर, पुलिस ने एक अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप एक आदतन ड्रग्स तस्कर को पकड़ा गया। पकड़े गए तस्कर की पहचान सुरजीत बोड़ो (30) के रूप में हुई है। उसके पास से 38 प्लास्टिक कंटेनर (जिनमें 52 ग्राम वजन की हेरोइन होने का संदेह है), तीन मोबाइल फोन, एक टीवीएस एनटॉर्क स्कूटी (एएस-01एफ-3523) और एक चाभी बरामद किया गया। तलाशी के दौरान, उसके कब्जे से बरामद किए गए सामानों को एनडीपीएस अधिनियम के अनुसार जब्त कर लिया गया है। तलाशी और जब्ती के लिए एनडीपीएस अधिनियम के अनुसार सभी कानूनी औपचारिकताओं का सावधानीपूर्वक पालन किया गया, और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

निर्बाध रेल संपर्क की ओर मिजोरम

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल विभिन्न नई रेल लाइन परियोजनाओं का निष्पादन कर पूर्वोत्तर राज्यों के कायाकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। रेल मंत्रालय की राजधानी संपर्क परियोजनाओं के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के लिए नई रेल लाइनों का निर्माण कार्य चल रहा है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने बताया कि पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम को देश के शेष हिस्से से जोड़ने के लिए भैरबी-साईरंग नई लाइन रेल परियोजना एक ऐसी परियोजना है, जो पूर्ण होने की ओर अग्रसर है। एक बार परियोजना पूरी हो जाने के बाद मिजोरम के लोगों के लिए संचार और वाणिज्य के मामले में यह एक गेम चेंजर परियोजना साबित होगी। किफायती और पर्यावरण अनुकुल रेल सेवाओं से राज्य में लगभग सभी विकास कार्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भैरबी और साईरंग के बीच 51.38 किलोमीटर लंबी नई लाइन को चार सेक्शनों में विभाजित किया गया है, जैसे भैरबी-होरटोकी, होरटोकी-कौनपुई, कौनपुई-मुआलखांग और मुआलखांग-साईरंग। परियोजना ने अब तक 93 की प्रगति हासिल कर ली है। भैरबी-साईरंग रेलवे परियोजना में दुर्गम क्षेत्रों में कई सुरंगों और पुलों का निर्माण कार्य शामिल हैं। इस परियोजना में सुरंगों की कुल लंबाई 12 हजार 853 मीटर है, जिसमें से 12 हजार 807 मीटर सुरंग बनाने का काम पूरा हो चुका है। परियोजना में कुल 55 बड़े पुल और 89 छोटे पुल होंगे, जिनमें से 47 बड़े पुलों और 87 छोटे पुलों का निर्माण कार्य अब तक पूरा हो चुका है। साईरंग स्टेशन के पहुंच पर पुल संख्या 196 के स्तंभ पी - 4 के निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है, जो परियोजना का सबसे ऊंचा स्तंभ है।

कृष्णाई में अज्ञात युवती का शव बरामद

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले में कृष्णाई के पास चेनीमारी नोआपारा में एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया गया है। सोमवार को घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने पूरे इलाके में भारी सनसनी पैदा कर दी है। स्थानीय लोगों को संदेह है कि मृतक लड़की की हत्या कर उसे चेनीमारी नोआपारा रोड के किनारे फेंक दिया गया होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

अर्थव्यवस्था की स्थिति ...

की नीतियों ने चुनौतियों का कुशलतापूर्वक सामना किया है, जबकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद मूल्य स्थिरता सुनिश्चित की है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक पूंजी बाजारों की देश की वृद्धि की गाथा में अब प्रमुख भूमिका बनती जा रही है। वित्त मंत्री ने आर्थिक सर्वेक्षण पेश करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए निजी क्षेत्र से ऊंचा वित्त पोषण का उच्चस्तर और नए स्रोतों से संसाधन जुटाना महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, आर्थिक समीक्षा में कृत्रिम मेधा (एआई) का विभिन्न कौशल वाले कर्मचारियों पर पड़ने वाले असर को लेकर काफी अनिश्चितता है। समीक्षा में यह अनुमान जताया गया है कि नए जमाने की प्रौद्योगिकी से उत्पादकता में वृद्धि होगी, लेकिन कुछ क्षेत्रों में रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ सकते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण केंद्र सरकार के द्वारा केंद्रीय बजट से पहले प्रस्तुत किया जाने वाला वार्षिक दस्तावेज है, जिसमें अर्थव्यवस्था की स्थिति की निष्पक्ष समीक्षा होती है। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक संभाग के द्वारा इकोनॉमिक सर्वेक्षण तैयार किया जाता है। इसको देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार की देख-रेख में तैयार किया जाता है। इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाता है। आर्थिक सर्वे में पिछले 12 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए डेवलपमैंट का रिव्यू होता है। सर्वे इस बात की भी जानकारी देता है कि इस बार के बजट में कया उम्मीद की जानी चाहिए।

आर्थिक सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था ...

सुधारों के परिणामों को भी प्रदर्शित करता है। यह आगे विकास और प्रगति के क्षेत्रों की भी पहचान करता है क्योंकि हम एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में वित्त वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। इस आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5 से 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आर्थिक सर्वेक्षण में जोखिम को संतुलित रखा गया है।

इकोनॉमिक सर्वे ...

एक बड़ी समस्या है। महंगाई कब कम होगी, इसका जवाब इकोनॉमिक सर्वे में नहीं मिलता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को तो महंगाई दिखती ही नहीं। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद देश में असमानता बढ़ी है। आज ट्रेन में महंगी एसी कोच वाले टिकट मिल रहे हैं, लेकिन जनरल और स्लीपर क्लास में जो सुविधा होनी चाहिए, वो नहीं है। अधिकतर ट्रेन यात्री जनरल और स्लीपर क्लास में जाते हैं, लेकिन सरकार का पूरा ध्यान एसी कोच पर है। जनरल, स्लीपर और सेकेंड सिटिंग रिजर्व कम्पार्टमेंट में भीड़ के कारण आज लोगों को सीट मिलना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज का आर्थिक सर्वेक्षण मोदी सरकार की नाकामियों पर चमचमाते हुए खोखले लिफाफे की तरह है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री सदन में झूठ फैलाते हैं, नीट पेपर लीक पर जिम्मेदारी लेने से बचते हैं। बेरोजगारी दर 9.2 प्रतिशत पर है। नौकरियों के लिए भगदड़ मच रही है। कमरतोड़ महंगाई ने देश के परिवारों की बचत 50 वर्षों में सबसे निम्न स्तर पर कर दी है। खाद्य महंगाई 9.4 प्रतिशत पर है, अनाज की महंगाई 8.75 प्रतिशत, दलहन की महंगाई 16.07 प्रतिशत और सब्जी की महंगाई 29.32 प्रतिशत पर है। उन्होंने कहा कि किसानों की हालत खराब है। अब मोदी सरकार पिछले दरवाजे से किसान विरोधी तीन काले कानून फिर से लागू करना चाहती है। अन्नदाता किसानों की राष्ट्रीय औसत मासिक कृषि आय मात्र 5,298 रुपये है। आर्थिक सर्वेक्षण सफेद झूठ बोलकर दावा करता है कि गरीबी लगभग खत्म हो गई है। सच्चाई ये है कि देश में अमीरों और गरीबों के बीच अंतर 100 वर्षों में सबसे अधिक है! गोगोई ने कहा इकोनॉमिक सर्वे बड़ी-बड़ी कंपनियों का मुनाफा बढ़ता हुआ दिखा रहा है, अगर ऐसा है तो कंपनियों में नौकरियां कितने लोगों को मिली हैं। ये सर्वे अगर इतना ही अच्छा है, तो भारत का युवा रूस की सेना में भर्ती क्यों हो रहा है। अगर इकोनॉमी अच्छी होती तो बाहर के लोग यहां आ रहे होते, लेकिन आज इसके उलट पलायन हो रहा है।

असम-नगालैंड सीमा के ...

नामक व्यक्ति का था। इसके अलावा गोलीबारी के कारण कई पशुधन भी लापता हो गए। घटना के बाद असम पुलिस की एक उच्चस्तरीय टीम मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और घायल पशुओं को मरियानी पशु चिकित्सालय भेजा। इस पूरी घटना से सीमा पर रहने वाले असमिया लोगों में दहशत और तनाव पैदा हो गया है। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पहले मरियानी विधायक पर कुछ कथित नगा बदमाशों ने गोलियां चलाई थीं और आरोप लगे थे कि नगा लोग जबरन असम के अंदर जमीन पर कब्जा कर रहे हैं, लेकिन उसके बाद भी असम सरकार द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने के गंभीर आरोप लगे हैं।

सीएम शर्मा ने पीएम ...

उन्हें अवगत कराया। मैंने चल रहे विकास कार्यों की स्थिति पर भी चर्चा की। असम के लोगों की ओर से मैं एक बार फिर उन्हें ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। बता दें, इस साल बाढ़ में मरने वालों की संख्या 98 हो गई है, जबकि बाढ़, भूस्खलन, तूफान और आकाशीय बिजली गिरने से 113 लोगों की जान गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) बुलेटिन के अनुसार प्रभावित लोग 21 राजस्व सर्किलों के 345 गांवों के हैं। प्रभावित जिलों में मोरीगांव, कामरूप, धेमाजी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नगांव, गोलाघाट, ग्वालपाड़ा, जोरहाट और कछार शामिल हैं। सबसे बुरी तरह जो जिला प्रभावित हुआ वो नगांव था। यहां करीब 70,280 लोग प्रभावित हुए। इसके बाद गोलाघाट (12,321) और कछार (6,773) था। शनिवार तक 10 जिलों में प्रभावितों की संख्या 1.30 लाख थी। बाढ़ के पानी ने 6,467.5 हेक्टेयर से अधिक फसल भूमि को भी जलमग्न कर दिया। कुल 6,311 लोगों ने 35 राहत शिविरों में शरण ली है। बुलेटिन में कहा गया है कि धुबरी में ब्रह्मपुत्र खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि अन्य प्रभावित जिलों में यह घट रही है और खतरे के निशान से नीचे बह रही है। राज्य ने अब तक बाढ़ की दो लहरों का सामना किया है, जिससे राज्य के सभी 35 जिले प्रभावित हुए हैं। इसमें पहली लहर 28 मई से 13 जून तक थी, जबकि चल रही दूसरी लहर 16 जून से शुरू हुई थी।

मणिपुर में प्रतिबंधित ...

पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) का सक्रिय सदस्य है। उस पर नए सदस्यों की भर्ती करने, हथियार खरीदने और जबरन वसूली की गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप है। तरह इसी इंफाल में प्रतिबंधित केसीपी (ताइबांगनाबा) गुट के तीन सदस्यों को पकड़ा गया। इनमें सोइसेनबा ओइनम (22), लौरेम्बम चिंगखेनबा (21) और निंगोमबाम जेरिट सिंह (23) हैं। इन पर इंफाल क्षेत्र में जबरन वसूली करने का आरोप है। पुलिस ने इनके पास से तीन मोबाइल फोन भी जब्त किये हैं। एक अलग अभियान में म्यांमार सीमा के पास मोरेह के पीलर नंबर 80 के पास से कांगलेई यावोल कन्ना लूप (सोरेपा समूह) के दो सक्रिय सदस्यों समुराईलकपम डेनो शर्मा (23) और ताओरेम युहेनबा सिंह (23) को गिरफ्तार किया गया है।

राहुल की सुरक्षा का...

उनकी सुरक्षा का खर्चा गांधी परिवार नहीं उठा रहा है, बल्कि सरकार उठा रही है। सुरक्षा पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। शर्मा ने मुस्लिम स्वामित्व वाले रेस्तरां के नाम प्रदर्शित करने पर कांग्रेस पार्टी के रुख की आलोचना की है और सामाजिक पूर्वाग्रहों पर गहराई से विचार करने का आह्वान किया है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक हालिया पोस्ट में, शर्मा ने पार्टी की धारणा को चुनौती दी कि कांग्रेस पार्टी मानती है कि एक मुस्लिम मालिक का नाम प्रदर्शित करने से हिंदू ग्राहकों को रेस्तरां में भोजन करने से रोका जा सकता है। लेकिन नाम छिपाना समाधान नहीं है। हमें खुद से पूछना चाहिए कि यह हिचकिचाहट क्यों है और इसके पीछे के कारणों को समझना और उन्हें दूर करना चाहिए। इससे पहले, 19 जुलाई को शर्मा ने असम में महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय परिवर्तन का अनुमान लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने दावा किया कि राज्य की मुस्लिम आबादी, जो वर्तमान में हर दशक में 30 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, 2041 तक बहुसंख्यक हो सकती है। शर्मा ने गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान घोषणा की कि यह एक वास्तविकता है और इसे कोई नहीं रोक सकता। इसके विपरीत, हिंदू आबादी हर दशक में लगभग 16 प्रतिशत बढ़ रही है। शर्मा ने इस मुद्दे को संबोधित नहीं करने के लिए कांग्रेस की भी आलोचना की, व्यंग्यात्मक रूप से सुझाव दिया कि यदि पार्टी वास्तव में विकास का प्रबंधन करना चाहती है तो पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को जनसंख्या नियंत्रण के लिए *ब्रांड एंबेसडर* बनना चाहिए।

बिहार को विशेष...

घनत्व और ज्यादातर जनजातीय आबादी, पड़ोसी देशों के साथ लगती रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्र, आर्थिक और ढांचागत रूप से पिछड़ा क्षेत्र और अपने स्तर पर वित्तपोषण में अक्षम होना शामिल है। इन सभी मानदंडों को समग्र रूप से देखने के बाद किसी राज्य की स्थिति का आकलन कर किया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी बिहार को विशेष राज्य के दर्जे पर विचार किया गया था। एक अंतर मंत्रालय समूह ने इस संबंध में 30 मार्च 2012 को अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इस समूह ने पाया था कि एनटीसी के मानदंडों के अनुरूप बिहार का विशेष राज्य का दर्जा नहीं बनता।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले...

है कि वहां मांसाहारी खाना मिल रहा है या शाकाहारी खाना। कोर्ट ने इस मामले में अदालत ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने एनजीओ एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स द्वारा याचिका दाखिल की गई। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने भी आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है, जिसे अभी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या यह प्रेस स्टेटमेंट था या औपचारिक आदेश था कि इन्हें प्रदर्शित किया जाना चाहिए? याचिकाकर्ताओं के वकील ने जवाब दिया कि पहले एक प्रेस स्टेटमेंट था और फिर लोगों में आक्रोश था और वे कहते हैं कि यह स्वैच्छिक है लेकिन वे इसे सख्ती से लागू कर रहे हैं। वकील ने कहा कि कोई औपचारिक आदेश नहीं है, बल्कि पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह एक छद्म आदेश है। एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि अधिकांश लोग बहुत गरीब सब्जी और चाय की दुकान के मालिक हैं और इस तरह के आर्थिक बहिष्कार के अधीन होने पर उनकी आर्थिक मृत्यु हो जाएगी। अनुपालन नहीं करने पर दुकानदारों को बुलडोजर कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से कहा कि हमें स्थिति को इस तरह से बयान नहीं करना चाहिए कि जमीन पर जो है, उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाए। इन आदेशों में सुरक्षा और स्वच्छता के आयाम भी हैं। सिंघवी का कहना है कि कांवर यात्राएं दशकों से होती आ रही हैं और मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध समेत सभी धर्मों के लोग उनके रास्ते में उनकी मदद करते हैं। अब आप किसी विशेष धर्म का बहिष्कार कर रहे हैं। अभिषेक मनु सिंघवी ने आगे कहा कि बहुत सारे शुद्ध शाकाहारी रेस्तरां हैं जो हिंदुओं द्वारा चलाए जाते हैं और उनमें मुस्लिम कर्मचारी भी हो सकते हैं, क्या मैं कह सकता हूं कि मैं वहां जाकर नहीं खाऊंगा क्योंकि खाना किसी न किसी तरह से मुस्लिमों या दलितों द्वारा छुआ जाता है? मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी भोजनालयों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के निर्देश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को इसे पूरे राज्य में बढ़ा दिया है। इस सप्ताह की शुरुआत में मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा आदेश जारी किया गया था कि कांवड़ यात्रा वाले रूट पर दुकानदार अपनी दुकान पर नेमप्लेट लगाएं ताकि कावड़ियां को पता चले कि दुकानदार का नाम क्या है।

अब आरएसएस के ...

गतिविधियों से दूर रखते थे। इस आदेश में केंद्र सरकार द्वारा 1966, 1970 और 1980 के उन आदेशों में में संशोधन किया गया, जिनमें कुछ अन्य संस्थाओं के साथ-साथ आरएसएस की शाखाओं और अन्य गतिविधियों में शामिल होने पर सरकारी कर्मचारियों को कार्रवाई, दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए थे। इस संशोधन के माध्यम से, सरकार ने वर्षों से चली आ रही रोकों को खत्म कर दिया है, जिससे सरकारी कर्मचारियों को अब आरएसएस के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने का मौका मिलेगा। 9 जुलाई 2024 को 58 साल का प्रतिबंध हटा दिया गया। जिससे अब सरकारी कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति है। इस आदेश के माध्यम से, सरकार ने साफ किया है कि वे सरकारी कर्मचारियों को विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगी, जो उनके व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस निर्णय के माध्यम से सरकार ने एक पॉलिसी का संशोधन किया है, जिससे देश के सरकारी कर्मचारियों को विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं में सक्रिय भागीदारी का मौका मिलेगा। यह निर्णय भारतीय समाज की विविधता और एकता को मजबूत करने का एक प्रमुख कदम है, जो सभी समुदायों के बीच समानता और समरसता को बढ़ाने में सहायक होगा। उधर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र की कांग्रेस सरकारों ने सन् 1966, 1970 और 1980 में सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी निर्देशों में उन्हें संघ की गतिविधियों में शामिल न होने की हिदायत दी थी। इसके चलते संघ के जो स्वयंसेवक सरकारी नौकरियों में होते थे, वे मजबूरन सार्वजनिक तौर पर संघ की गतिविधियों में हिस्सा नहीं लेते थे। किसी भी सरकारी कर्मचारी को नियुक्ति के दौरान जिन दिशा निर्देशों पर हस्ताक्षर करने अनिवार्य होते थे, उसमें एक निर्देश यह भी होता था कि वह न तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सदस्य है और न ही उसकी गतिविधियों में हिस्सा लेगा। गत 9 जुलाई को केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए दिशा-निर्देशों की यह शर्त हटा दी। केंद्र सरकार के डीओपीटी विभाग ने सभी मंत्रालयों को भेजे निर्देश में कहा है कि इस निर्देश की समीक्षा की गई और इसे हटाने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इसका स्वागत करते हुए कहा है कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला निर्णय है।

तीन नए क्रिमिनल लॉ ...

किसानों से संघु और शंभू समेत दिल्ली के नजदीकी बॉर्डर पर पहुंचने की अपील की गई है। फैसला लिया गया है कि ट्रैक्टर मार्च के साथ ही नए क्रिमिनल कानूनों की प्रतियां भी जलाई जाएंगी। देशभर के किसानों से सरकार की नीतियों का विरोध करने का आग्रह किया गया है। शंभू बॉर्डर पर किसान महीनों का राशन लेकर पहुंचने लगे हैं, जिससे उनकी दृढ़ता और संकल्पना का पता चलता है। किसानों ने कहा कि 31 अगस्त को हमारे आंदोलन के 200 दिन पूरे होंगे। इस मौके पर सभी बॉर्डर पर किसान इकट्ठा होंगे। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि आशीष मिश्रा, जिसे मोनू भी कहा जाता है, की जमानत हो गई है, जो नहीं होनी चाहिए थी, और हम इसका विरोध करते हैं। किसानों ने कहा कि जब भी शंभू और अन्य बॉर्डर खुलेंगे, तब हमारे किसान अपना सारा सामान लेकर दिल्ली आएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को बॉर्डर खोलने का आदेश दिया था, लेकिन हरियाणा सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चली गई। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार ने उन पर बहुत अत्याचार किए हैं।

बाइडेन से नहीं, कमला...

बाद कमला हैरिस ने कहा है कि वह दौड़ में शामिल हो गई हैं। उनका इरादा चुनाव जीतना है। अब 107 दिन का समय शेष है। हम मिलकर लड़ेंगे और साथ मिलकर जीतेंगे। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा है कि बाइडेन ने यह घोषणा सोशल मीडिया पोस्ट में जरूर की पर व्हाइट हाउस के अधिकांश कर्मचारियों को इससे पहले दोपहर 1:45 बजे उनके निर्णय के बारे में सूचित कर दिया गया। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इस समय 4,600 से अधिक डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन प्रतिनिधि हैं। इनमें से अधिकतर बाइडेन समर्थक हैं। वह अपने करीबियों से हैरिस की उम्मीदवारी पर चर्चा कर सकते हैं। हालांकि कई प्रमुख डेमोक्रेटिक गवर्नरों को भी संभावित उम्मीदवारों के रूप में देखा जा सकता है।

बांग्लादेश में हिंसक ...

साझा नहीं किए गए हैं। तनाव बढ़ने पर गुरुवार को संचार सेवाएं प्रतिबंधित कर दी गई थीं। एक दिन पहले 93 प्रतिशत नौकरियां योग्यता के आधार पर देने और पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण सीमा को घटाकर पांच प्रतिशत तक सीमित करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सोमवार सुबह तत्काल हिंसा की कोई सूचना नहीं मिली। शेष दो प्रतिशत आरक्षण जातीय अल्पसंख्यकों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर और दिव्यांगों के लिए है। रविवार रात को कुछ छात्र प्रदर्शनकारियों ने सरकार से इंटरनेट सेवाएं बहाल करने का आग्रह किया। भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के समन्वयक हसनत अब्दुल्ला ने *एसोसिएटेड प्रेस* को बताया कि जिस पूर्ण बंद के आह्वान को उन्होंने पिछले सप्ताह लागू करने का प्रयास किया था उसे अब वापस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन हम *डिजिटल कार्रवाई* को रोकने और इंटरनेट सेवाएं बहाल करने के लिए 48 घंटे की चेतावनी जारी कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि सरकार कर्फ्यू समाप्त करे और यह सुनिश्चित करे कि देश दो दिनों के भीतर सामान्य स्थिति में वापस आ जाए। जनवरी में हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री शेख हसीना की लगातार चौथी बार जीत के बाद हो रहे इन विरोध प्रदर्शनों ने बांग्लादेश की सरकार के लिए सबसे गंभीर चुनौती पेश की। इस दौरान विश्वविद्यालयों को बंद करने के साथ इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई और सरकार ने लोगों को घर पर रहने का आदेश जारी किया। प्रदर्शनकारियों ने तर्क दिया था कि आरक्षण प्रणाली भेदभावपूर्ण थी और इससे शेख हसीना के समर्थकों को फायदा हुआ।

राज्य सरकार नहीं दे ...

किसी भी हिंदू, सिख, पारसी या ईसाई शरणार्थी को बंगाल में प्रवेश नहीं करने देंगे। ममता जी ने हमेशा सीएए का विरोध किया है, जबकि सीएए का भारत के नागरिकों से कोई संबंध नहीं है, चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम। उन्होंने ये भी कहा कि ममता जी, अखिलेश यादव और राहुल गांधी संविधान की बात करते रहते हैं। क्या संविधान में आपका अधिकार है? यह अधिकार भारत सरकार का है। यह अधिकार राज्य सरकार का नहीं है। भाजपा नेता ने ये भी कहा कि यह बांग्लादेश का आंतरिक मामला है और हम अनुरोध करते हैं कि इस मामले को सुलझाया जाए। हमें इसमें नहीं पढ़ना है। अगर एक मुख्यमंत्री घोषणा करता है तो इसका क्या मतलब है? क्या आप भारत की एकता को तोड़ना चाहते हैं? ममता जी मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आपका इससे क्या मतलब है। बंगाल रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर और सुभाष चंद्र बोस जैसे लोगों की जननी है। दरअसल पड़ोसी देश में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा था कि उनकी सरकार बांग्लादेश से शरण चाहने वाले लोगों को आश्रय देगी। सीएम बनर्जी ने कहा था कि अगर आपके परिवार का कोई सदस्य या रिश्तेदार काम या पढ़ाई के लिए बांग्लादेश में है तो चिंता न करें। हम बदले में उनकी मदद करने के लिए तैयार हैं।

बिहार के गंगा जहाज ...

घाट पर हुआ। घाट के आसपास के लोगों ने गोताखोरों की मदद से सभी 11 शिवभक्त किशोर और युवकों को बाहर निकाला। इनमें चार की मौत हो गई। मृतक नवगछिया थाना क्षेत्र के नया टोला के रहने वाले हैं। इनमें दो नाबालिग हैं। ग्रामीणों के मुताबिक मृतकों में शिवम कुमार (18) पिता दिगंबर शर्मा, सोनू कुमार (16) पिता दिलीप गुप्ता, आलोक कुमार (18) पिता संतोष भगत और संजीव कुमार (17) पिता अरुण कुमार शाह शामिल हैं। चारों दोस्त हैं। बताया गया है कि सबसे पहले जल लेने के लिए गंगा में उतरे डूब रहे आलोक को बचाने के लिए एक-एक कर सभी ने छलांग दी और यह हादसा हो गया। हादसे की सूचना पर मिलते ही भवानीपुर थाना अध्यक्ष महेश कुमार, अंचलाधिकारी विशाल अग्रवाल, आरओ भरत कुमार झा मौके पर पहुंचे।

आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर लगी...

एक तरफ टिका हुआ है। भारतीय नौसेना एक प्रवक्ता ने बताया कि एक नौसैनिक को छोड़कर सभी कर्मियों का पता लगा लिया गया है। लापता नाविक की तलाश जारी है। भारतीय नौसेना ने घटना की जांच का आदेश दिया है। बता दें कि भारतीय नौसेना के बहु-भूमिका वाले फ्रिगेट जहाज आईएनएस ब्रह्मपुत्र (आईएनएस ब्रह्मपुत्र) पर 21 जुलाई की शाम को मरम्मत करते समय आग लग गई थी। नौसेना डॉकयार्ड और बंदरगाह में मौजूद अन्य जहाजों के अग्निशमन कर्मियों की सहायता से जहाज के चालक दल ने 22 जुलाई 24 की सुबह तक आग पर काबू पा लिया था। इसके अलावा, आग के हुए नुकसान के आकलन के लिए सैनिटाइजेशन जांच सहित अन्य कार्रवाई की गई।

पूरबी डेयरी ने असम सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

गुवाहाटी (हिंस)। पश्चिमी असम दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (डब्ल्यूएएमयूएल), जिसे व्यापक रूप से पूरबी डेयरी के रूप में जाना जाता है, ने असम सरकार के डेयरी विकास निदेशालय (डीओडीडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। असम सरकार की डेयरी विकास निदेशक अनुसूया शर्मा और डब्ल्यूएएमयूएल के प्रबंध निदेशक समीर कुमार परिदा द्वारा हस्ताक्षरित इस समझौते से पूरबी डेयरी को धेमाजी में डीओडीडी के 5, 000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले डेयरी संयंत्र का संचालन करने में मदद मिलेगी। इस सहयोग का उद्देश्य क्षेत्र में पूरबी दूध और दूध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाकर ऊपरी असम में सहकारी डेयरी क्षेत्र को मजबूत करना है। इससे नए बाजार खोलकर और व्यापक प्रशिक्षण और विकास के अवसर प्रदान करके किसानों को महत्वपूर्ण आय के अवसर प्रदान करने की भी उम्मीद है। यह समझौता ज्ञापन ऊपरी असम में डेयरी क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डब्ल्यूएएमयूएल के प्रबंध निदेशक समीर कुमार परिदा ने कहा कि धेमाजी डेयरी प्लांट के संचालन से हम क्षेत्र में पूरबी दूध और दूध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाएंगे। धेमाजी में नई सुविधा की स्थापना से गुवाहाटी में पूरबी डेयरी के मुख्य प्लांट से परिवहन के समय और लागत को कम करके ऊपरी असम क्षेत्र में ताजा दूध की आपूर्ति में सुधार होगा। धेमाजी डेयरी प्लांट में परिचालन जल्द ही शुरू होने वाला है, जो ऊपरी असम में डेयरी क्षेत्र के विकास को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा। यह असम के डेयरी क्षेत्र के लिए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा निर्धारित 10 लाख लीटर प्रतिदिन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक सही कदम है। डेयरी विकास निदेशालय ने राज्य में डेयरी क्षेत्र के विकास के लिए कई पहल की हैं। पूरबी डेयरी को धेमाजी संयंत्र का प्रबंधन करने में सक्षम बनाकर, निदेशालय का लक्ष्य दूध उत्पादन को बढ़ावा देने, आपूर्ति श्रृंखला दक्षताओं में सुधार करने और स्थानीय किसानों के लिए बेहतर बाजार पहुंच और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डब्ल्यूएएमयूएल की विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाना है।

बाईलेन के लोग पानी कनेक्शन के लिए एक साथ अप्लाई करें : अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने गुवाहाटी के निवासियों से अपील की है कि एक रोड या एक बाईलेन में रहने वाले लोग एक साथ नए पानी सप्लाई कनेक्शन के लिए आवेदन करें, ताकि सड़कों को बार-बार खोदना नहीं पड़े। मंत्री सिंघल ने गुवाहाटी में जल आपूर्ति योजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेने के लिए तथा कनेक्शन देने में शीघ्रता करने के उद्देश्य से सोमवार को दिसपुर में जल बोर्ड की समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक के बाद मंत्री सिंघल ने बताया कि बैठक में गुवाहाटी के लोगों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि वे गुवाहाटी के निवासियों को पानी की आपूर्ति से संबंधित कुछ विशेष मुद्दों से अवगत कराना चाहते हैं। इस समय गुवाहाटी जल बोर्ड 45 हजार परिवारों को पानी सप्लाई करने के लिए तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक 25 हजार परिवारों ने आवेदन किया है। अन्य आवेदन करने पर पानी की आपूर्ति की जाएगी। मंत्री ने कहा कि सितंबर अक्तूबर और नवंबर में 15 हजार, 27 हजार और 35 हजार परिवारों को पानी का कनेक्शन मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि गुवाहाटी में इस साल एक लाख 25 हजार लोगों के घरों में पानी की आपूर्ति की जाएगी। सभी को आवेदन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। मंत्री अशोक सिंघल ने कहा कि एक सड़क और एक क्षेत्र की जनता एक ही समय में आवेदन करें, ताकि बार-बार सड़क न खोदना नहीं पड़े। किस्तों में आवेदन शुल्क जमा करने का अवसर भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों को कुछ छूट देने की चर्चा हो रही है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि मामलों को महत्व दिया जाएगा और इस क्षेत्र में सरकार को पूरा सहयोग किया जाएगा।

हाथियों को कुचलने की कोशिश के आरोप में चालक गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-39 पार कर रहे जंगली हाथियों के एक झुंड को कुचलने की कोशिश करने के आरोपी टैंकर के चालक को हिरासत में लिया गया है। टैंकर को भी गोलाघाट जिले के मोरंगी में जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि नुमलीगढ़ रिफाइनरी शहरी क्षेत्र में पिछले दिनों एक हाथी की हुई रहस्यमय मौत के बाद से रिफाइनरी अधिकारी इसका पता लगाने की कोशिश कर रहे थे। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आई जिसमें लेटेकुजान चाय बागान के बीच से जंगली हाथियों का एक झुंड राष्ट्रीय राजमार्ग-39 को पार कर रहा था कि एक तेज रफ्तार टैंकर ने एक हाथी को टक्कर मार दी तथा अन्य हाथियों को भी मारने की कोशिश कर रहा था।

अल्पना की नाट्य कार्यशाला संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। वर्तमान मशीनी युग में बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और कला एवं संस्कृति से जुड़कर भविष्य में अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से असम के नलबाड़ी जिले के प्रमुख नाट्य दल *अल्पना* के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय नाट्य प्रशिक्षण शिविर आज संपन्न हो गया। गुवाहाटी के मालीगांव कल्याण नगर स्थित मालीगांव आंचलिक एलपी स्कूल में इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 16 विद्यार्थियों ने भाग लिया।प्रशिक्षण शिविर में नाटक निर्देशक और चित्रकार पल्लवी शर्मा, संगीत निर्देशक मनोज शर्मा, अभिनेत्री निकिता देवी और द्विपांदिता कलिता ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण शिविर में विद्याथियों को मुख्य रूप से निःशुल्क अभिनय, शारीरिक संचालन, शारीरिक शिक्षा, पृष्टभूमि संगीत, प्रकाश व्यवस्था, पोस्टर डिजाइन, मंच सज्जा, वेशभूषा, रूप सज्जा आदि का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के अंतिम दिन आज विद्यालय शिक्षा में नाटक के महत्व पर एक चर्चा आल्पना द्वारा आयोजित की गई। इस चर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की प्राचार्या कामिनी देवी उपस्थित थीं। उल्लेखनीय हैं कि *अल्पना* बच्चों को नाटक के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए हर साल ऐसे सेमिनार और थिएटर वर्कशॉप का आयोजन करता है।

सावन के पहले सोमवार को नगांव और होजाई के सभी शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

होजाई /नगांव (निसं)। सावन मास के पहले पवित्र सोमवार को होजाई के प्रसिद्ध श्री श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर स्थित शिव दरबार में भी काफी संख्या में लोगों ने भगवान शिव सहित परिवार की पूजा अर्चना की। उल्लेखयोग्य है की सावन के महीने में कावड़ए अकाशीगंगा, रेगबंग, तूपरीगं से पैदल जल लाकर भगवान शिव की पूजा आराधना करते हैं। वहीं आज भीमाशंकर कावड़ संघ का जत्था यहां से बाबा धाम के लिए प्रस्थान किया है। जलाहा अभिषेक करने के बाद कांवड़ियों के वापस आने पर मंदिर परिसर में भव्य रुद्र अभिषेक व प्रसाद का आयोजन होगा। उधर शिवबाड़ी रोड स्थित प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में प्रातः से ही माताएं, बहने, युवा पूजन सामग्री, दूध, जल, बेलपत्र, फूल, चंदन आदि सामग्री हाथों में लिए मंदिर पहुंचे। जहां भक्तों बारी-बारी से भगवान शंकर की पूजा-अर्चना की। वहीं जलते दीपक वह बोल बम के नारों पर बजती घंटियों से मंदिर की शोभा बढ़ रही थी। विश्वनाथ मंदिर होजाई का एक ऐतिहासिक मंदिर है जोकि तकरीबन 85 वर्ष पुराना है।जिसकी स्थापना आजादी से पहले हुई थी। इस मंदिर पर भक्तों की एक अलग ही आस्था और विश्वास है, जो भी भक्त मनसे भगवान शंकर की यहां पूजा करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। दूसरी ओर होजाई जिले के सभी शिव मंदिरो में भक्त जलाभिषेक करते दिखाई दिए। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार श्रावण मास के प्रारंभ से ही प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी उत्साह उमड़ पड़ा है। सोमवार को श्रावण मास के पहले सोमवार को कांवड़ियों की अपार भीड़ शिवालयों में देखी गई। रविवार को कांवड़ लाने वाली टोलियों में गजब का उत्साह रहा। जहां से कांवड़ लाते है वहां जाने से पहले शहर उत्सव मुखी हो चला था। शहर के हर गलियारो में बोल बम के नारे गुंजायमान हो रहें थे। तेज आवाज में डीजे पर भजन बज रहें थे। श्रावण मास के पहले सोमवार को रंगबंग नामक स्थान से कांवड़ियों ने कलशो में जल उठाया और पैदल यात्रा करते हुए नगांव श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर पहुंच कर भोलेनाथ को श्रद्धा-भाव से जल अर्पित कर प्रभु से आशीर्वाद प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि रंगबंग नामक स्थान पर एक पहाड़ है जहां से झरना बहता है और इसी झरने के जल को कावड़िएं कलशों में भरकर अपने गंतव्य पर ले जाते है। सोमवार को शहर के शिवालयों में कांवड़ियों के अलावा आम भक्तों की भी भीड़ देखी गई। सभी ने भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर श्रदा की हाजरी लगाई। रंगबंग से नगांव कांवड़ मार्ग पर कोठियातुली साप्ताहिक बाजार परिसर में रविवार को नगांव जिला माहेश्वरी सभा द्वारा कांवड़ यात्रियों के लिए रात्री भोजन की व्यवस्था की गई। इस कांवड़ यात्रा में बाबा सोमनाथ कांवड़ संघ के कावड़िएं परिलक्षित थे। इस अवसर पर नगांव जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संपत कुमार धूत, उपाध्यक्ष अजित माहेश्वरी, पूर्व सचिव जगदीश प्रसाद दरक, कार्यकारिणी सदस्य जगदीश धूत, पूर्व सचिव भगवती प्रसाद झंवर, पार्षद हेमा झवंर उपस्थित थी।

रंगिया : शांति निवास न्यास की अनूठी पहल

रंगिया (निसं)। रंगिया में अनाथ और असहाय लोगों के बीच सारथी के रूप में खड़े रहने वाले सारथी शांति निवास न्यास अबतक कई समाज हितकारी कार्य कर लोगों की प्रशंसा प्राप्त करने में सक्षम रहा है। इसी कड़ी में आज रंगिया के निकट बालागांव के एक गरीब व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सारथी शांति निवास न्यास द्वारा उसके लिए एक छोटी दुकान की व्यवस्था की गई। यही नहीं विशेष रूप से सक्षम उक्त व्यक्ति, लेकिन अभी तक यूडीआईडी तथा कोई भी कागजात बनवाने से वंचित उक्त व्यक्ति के लिए शांति निवास न्यास के संचालक बिपुल कलिता ने इसकी व्यवस्था करवाकर सहायता का हाथ बढ़ाया है। उक्त कार्यक्रम में सारथी शांति निवास न्यास के संचालक विपुल कलिता, सदस्य नयनमणि डेका, खिरोद कलिता सहित मोहम्मद गुलफाम उपस्थित रहे। सारथी शांति निवास न्यास के नेक कदम की ने सभी ने सराहना की है।

कलगछिया में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के कलगछिया थाना क्षेत्र के बिलरटारी गांव से सरभोग पुलिस ने एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। बाद में सरभोग पुलिस ने कलगछिया पुलिस को गिरफ्तारी की सूचना दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि कलगछिया पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तस्कर को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान शाहिदुल इस्लाम के रूप में हुई है। तस्कर दो साबुनदानी में सप्लाई करने के लिए ड्रग्स लेकर आया था। अभियान में पुलिस ने एक बाइक (एएस-16जी- 6830) भी बरामद किया है। लोगों ने बताया कि लंबे समय से ड्रग्स तस्कर शाहिदुल इस्लाम बिलरटारी, लसांगा, गुइलेजा, बलाईपथार आदि इलाकों में ड्रग्स बेचता रहा था। लोगों के मुताबिक स्कूलों और कॉलेज के छात्र इन तस्करों के कारण बर्बाद हो रहे हैं। आखिरकार पुलिस गुप्त सूत्रों के आधार पर पीछा कर ड्रग तस्कर को गिरफ्तार करने में सफल रही। लोगों की मांग है कि नशे के कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए।

बरपेटा में ड्रग्स तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा में एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि पुलिस उपाधीक्षक जितेश बर्मन के नेतृत्व में देउरीकुसी गांव में चलाए गए अभियान में तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान बरपेटा के देवरीकुची गांव के इकबाल हुसैन के रूप में हुई है। गिरफ्तार तस्कर से बरामद हेरोइन से भरे दो साबुनदानी जब्त किए गए हैं। जब्त ड्रग्स का वजन लगभग 21.5 ग्राम बताया गया है। जिसका बाजार मूल्य 2 लाख रुपए से अधिक बताया जाता है।

तेरापंथ युवक परिषद का मंत्र दिक्षा कार्यशाला आयोजित

नगांव (निसं)। रविवार को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वाधान में नगांव के तेरापंथ भवन में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा मंत्र दिक्षा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष गोविंद कोठारी ने सबका स्वागत एवं अभिनंदन किया, तेरापंथ युवक परिषद के मंत्री अमित दुग्गड़ ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए 265वें तेरापंथ स्थापना दिवस पर आचार्य श्री भिक्षु के चरणो में एक गीतिका समर्पित की और साथ ही साथ मंत्र दीक्षा के कार्यक्रम के उपलक्ष पर भी एक गीतिका की प्रस्तुत दी। उपासिका सरला देवी गुजरानी ने बच्चों को मंत्र दीक्षा करवाई। कुल 7 बच्चोंको मंत्र दीक्षा दी गई। कार्यक्रम में ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाए, तेयुप कार्यकरणी के सदस्य, आभातेयुप के क्षेत्रीय प्रभारी अजीत कोठारी, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बिनोद कुमार बोथरा, सचिव झुमर दुग्गड़ तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सरला देवी बोरड, सचिव ललिता बोथरा अणुव्रत समिति, नगांव के अध्यक्ष संजय बोथरा एवं समाजबंधुओ की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में बच्चो को अल्पाहार दिया गया एवं आभार प्रकट के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने एक्सिस बैंक को *ओपन फॉर द प्लैनेट क्लीन-अ-थॉन* पहल के लिए किया सम्मानित

गुवाहाटी। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने एक देशव्यापी स्वच्छता अभियान, *ओपन फॉर द प्लैनेट क्लीन-अ-थॉन* के लिए सम्मानित किया है। एक्सिस बैंक को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से दो खिताब मिले जिनमें *एक सप्ताह में कई पर्यटक स्थलों पर सबसे अधिक कचरा इकट्ठा करने* और *एक सप्ताह में सबसे अधिक पर्यटक स्थलों की सफाई* से जुड़े सम्मान शामिल हैं। यह लगातार दूसरा साल है जब प्रकृति संरक्षण के प्रति बैंक के उल्लेखनीय योगदान को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर मान्यता मिली है। यह उपलब्धि पर्यावरण संरक्षण और वहनीय विकास के प्रति बैंक के समर्पण को दर्शाती है। एक्सिस बैंक ने 5 जून से 12 जून, 2024 तक चलने वाले सप्ताह भर के स्वच्छता अभियान के दौरान, 24 गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर वाराणसी के घाट, दिल्ली में कुतुब मीनार, असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, हैदराबाद में गोलकुंडा किला, शिमला में मॉल रोड आदि जैसे तेईस पर्यटक स्थलों से करीब 13, 000 किलोग्राम कचरा इकट्ठा किया। बैंक के शाखा कर्मचारियों, ग्राहकों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और स्थानीय अधिकारियों सहित लगभग 4, 649 स्वयंसेवकों ने *ओपन फॉर द प्लैनेट क्लीन-अ-थॉन* अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। एक्सिस बैंक की प्रेसिडेंट एवं हेड, ब्रांच बैंकिंग, अर्निका दीक्षित ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कहा कि एक्सिस बैंक में हम, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से इन प्रतिष्ठित खिताबों से सम्मानित किए जाने पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। ये रिकॉर्ड नागरिक जिम्मेदारी, सामुदायिक सेवा और पारिस्थितिकी के संरक्षण के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाते हैं। इस पहल के जरिए, हमने इन खूबसूरत पर्यटन स्थलों और धरोहर स्थलों के संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया है। हमारा अखिल भारतीय अभियान भावी पीढ़ियों के लिए पृथ्वी की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दृढ़ बनाता हैऔर उन्हें पर्यावरण को हो रहे नुकसान को कम करने और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है। पिछले साल, एक्सिस बैंक ने भारत के 18 शहरों में पच्चीस जलाशयों को साफ करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान का आयोजन किया था, जिसमें 3700से अधिक प्रतिभागियों ने 12, 794किलोग्राम कचरा एकत्र करने के लिए स्वेच्छा से भाग लिया था। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने *एक सप्ताह तक चलने वाले स्वच्छता अभियान के दौरान साफ किए गए अधिकतम जलाशय* और *कई शहरों में जलाशयों से अधिकतम मात्रा में (किलोग्राम) कचरा एकत्र करने* के लिए इस उल्लेखनीय प्रयास को सम्मानित किया। एक्सिस बैंक अपने व्यापक नेटवर्क के जरिएआने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित भविष्य के निर्माण का प्रयास करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 2024पर एक्सिस बैंक की पहल, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और वहनीय विकास के लिए इसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ

ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION

Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 146PSC/DR-48/3/2021-22

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold interview/viva-voce for the posts of **Lecturer in D.I.E.Ts under the Directorate of SCERT, Assam** as per programme given below at its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22 as per Advt. No. 20/2022 dated Guwahati, the 13th Sept., 2022.

Sl. No.	Name of the Post & Department	Date of Interview / Viva-Voce	Reporting Time
1	Lecturer, Educational Technology, D.I.E.T.s	05-03-2024	9:00 AM

Kindly note that the candidates appearing for interview/viva-voce **must bring the following testimonials in original for verification/scrutiny on the day of interview.**

- i. **H.S.L.C. Marksheet and Pass Certificate.**
- ii. **H.S.S.L.C. Marksheet and Pass Certificate.**
- iii. **Degree Marksheet and Pass Certificate.**
- iv. **Masters Degree Marksheet and Pass Certificate.**
- v. **B.Ed. Marksheet and Pass Certificate.**
- vi. **M.Ed. Marksheet and Pass Certificate.**
- vii. **CGPA Conversion Formula of the respective universities.**
- viii. **NET/SLET/Ph.D Certificate.**
- ix. **Experience Certificate(s).**
- x. **Caste/PWD/EWS certificate Gf applicable).**
- xi. **Declaration Form A.**
- xii. **Any other documents relevant as per advt.**

The Accepted/Rejected list of candidates is uploaded in the Commission's official website. No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The intimation letters shall **be uploaded on 23-07-2024 in the APSC's website (www.apsc.nic.in).** The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

Sd/-
Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 2850 /24/23-Jul-24

संपादकीय

सब्सिडी की राजनीति

इसमें दो राय नहीं है कि राजनीतिक दलों ने चुनावों में सफलता के शॉर्टकट के रूप में सब्सिडी को एक हथियार बना लिया है। लेकिन ऐसा करते वक्त वे राज्य की राजकोषीय वास्तविकताओं का ध्यान नहीं रखते। यही वजह है कि विधानसभा चुनाव के दौरान कई लोकलुभावन घोषणाएं करने वाले हिमाचल के मुख्यमंत्री ने राज्य की आर्थिक सेहत के मद्देनजर एक मजबूत फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार ने करदाता उपभोक्ताओं के लिये मुफ्त बिजली योजना को वापस लेने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। दरअसल, राज्य सरकार को यह कदम हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड यानी एचपीएसईबी के गंभीर वित्तीय संकट के मद्देनजर उठाना पड़ा है। एचपीएसईबी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 18,000 करोड़ रुपये के घाटे की सूचना दी थी। यह निर्णय विभिन्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को प्रभावित करता है। हालांकि, इस निर्णय में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वर्ग व अन्य कमजोर श्रेणियों के लोगों को राहत दी गई है। दरअसल, भारी कर्ज बोझ और राज्य अनुदान व जीएसटी आवंटन में घटते राजस्व के चलते एचपीएसईबी वित्तीय संकट का तनाव झेल रहा है। इस तरह शून्य बिजली बिल प्रावधान को 'एक परिवार, एक मीटर' तक सीमित करके तथा आधार व राशन कार्डों से कनेक्शन को जोड़कर इसे तर्कसंगत बनाने का प्रयास किया गया है। कहा जा रहा है कि इस कदम से बिजली बोर्ड को दो सौ करोड़ रुपये की बचत होगी। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार का यह फैसला राज्य की माली हालत के मद्देनजर राजकोषीय वास्तविकताओं का सामना करने पर चुनावी मुफ्त सुविधाओं की नुकसानदायक प्रवृत्ति को ही उजागर करता है। कमोबेश पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने तमाम लोकलुभावनी घोषणाओं के साथ राज्य में सरकार बनायी थी। यही वजह है कि लोग कांग्रेस सरकार पर चुनावी वायदे से मुकरने के आरोप लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुफ्त बिजली योजना वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने बड़े उत्साह के साथ आरंभ की थी। इस योजना के अंतर्गत चौदह लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया था।

> मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार ने करदाता उपभोक्ताओं के लिये मुफ्त बिजली योजना को वापस लेने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। दरअसल, राज्य सरकार को यह कदम हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड यानी एचपीएसईबी के गंभीर वित्तीय संकट के मद्देनजर उठाना पड़ा है। एचपीएसईबी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 18,000 करोड़ रुपये के घाटे की सूचना दी थी। यह निर्णय विभिन्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को प्रभावित करता है। हालांकि, इस निर्णय में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वर्ग व अन्य कमजोर श्रेणियों के लोगों को राहत दी गई है। दरअसल, भारी कर्ज बोझ और राज्य अनुदान व जीएसटी आवंटन में घटते राजस्व के चलते एचपीएसईबी वित्तीय संकट का तनाव झेल रहा है। इस तरह शून्य बिजली बिल प्रावधान को 'एक परिवार, एक मीटर' तक सीमित करके तथा आधार व राशन कार्डों से कनेक्शन को जोड़कर इसे तर्कसंगत बनाने का प्रयास किया गया है।

लेकिन अब हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड के आर्थिक संकट के मद्देनजर इस सब्सिडी का दायरा घटाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार में आम आदमी को राहत पहुंचाना सराहनीय कदम है, लेकिन वहीं दीर्घकालीन उद्देश्यों को हासिल करने के लिये राज्य की सेहत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार के मौजूदा फैसले के कई गहरे निहितार्थ हैं। एक निष्कर्ष यह भी है कि चुनावी वायदों को राजकोषीय जिम्मेदारी के साथ जोड़कर देखने की आवश्यकता है। निस्संदेह, कोई भी सेवा व सुविधा मुफ्त नहीं मिलती। किसी भी सुविधा को मुफ्त देने से सेवा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। वह संस्थान व विभाग भी घाटे की अर्थव्यवस्था का शिकार होकर रह जाता है। मुफ्त की चीजें और सब्सिडी भले ही राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने की दृष्टि से आकर्षक नजर आती हों, लेकिन उनके दीर्घकालिक आर्थिक प्रभावों को लेकर सावधानी पूर्वक विचार किया जाना चाहिए। निस्संदेह, सतत विकास और वित्तीय स्थिरता वाली नीतियों के निर्माण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राजनीतिक दलों की अल्पकालिक लाभ के लिये बनायी गई लोकलुभावनी नीति, राज्य के दीर्घकालिक नुकसान का कारण न बने। निस्संदेह राजनीतिक लाभ के लिये चुनावी आश्वासन महत्वपूर्ण हैं। लेकिन उन्हें राज्य की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि किसी भी सरकार के लिये एक बार दिया गया लाभ या सब्सिडी वापस लेना, राजनीतिक दृष्टि से आसान नहीं होता।

जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

ललित गर्ग

> डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे।

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है।

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति

और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संतप्त परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें।

डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है।

पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।

दृष्टि कोण

केदारनाथ आपदा के सबक

वर्ष 2013, जून की केदारनाथ त्रासदी को 2004 की सुनामी के बाद की देश की सबसे बड़ी त्रासदी कहा जाता है। केदारनाथ धाम व पूरी केदार घाटी के 15-16 जून, 2013 के भयंकर जल प्रलय में लगभग एक हजार स्थानीय लोगों के साथ करीब 6 हजार लोग मारे गये थे। रामबाड़ा, तिलवाड़ा, अगस्तमुनी, गुप्तकाशी में भारी नुकसान के साथ 4200 गांव प्रभावित हुए थे। तब 14 से 17 जून तक लगभग पूरा उत्तराखंड, नेपाल, हिमाचल अति वृष्टि के चपेट में था। वैज्ञानिकों ने इसे नार्दन फ्लैश फ्लड भी कहा था व जलवायु बदलाव की व्यापकता का प्रमाण माना था। भारी बरसात में करीब 7 किमी लम्बाई के चोराबाड़ी ग्लेशियर में 3865 मीटर ऊंचाई पर स्थित चोराबाड़ी झील, अपनी परिधि में टूट गई थी। इसके बहे भारी मलबे व अथाह जलराशि ने केदारनाथ धाम को चपेट में लिया था। चोराबाड़ी ग्लेशियर के स्रोतों से ही चोराबाड़ी झील के साथ मंदाकिनी नदी का स्रोत भी बनता है। बढ़े हिम पिघलाव व बहाव से मंदाकिनी विकराल होती गई। कहीं-कहीं इसका जल स्तर 15 मीटर तक भी चढ़ गया था। उस आपदा से उबरने के लिये बड़े पैमाने पर काम भी हुए हैं। अब सुविधाएं इतनी जुटा ली गई हैं कि प्रतिदिन बीस-पच्चीस हजार यात्री वहां पहुंच रहे हैं। लेकिन चिंताजनक यह कि सीमित क्षेत्र में हजारों मानव कृत्यों से हीट आइलैंड्स बनने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। खुद यात्री कहते हैं कि तेज धूप होती है तो झेलनी मुश्किल होती है। पूरे हिंदुकुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरे बढ़े हैं। पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेड बढ़ गया है। हिमालयी ग्लेशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है व पहाड़ बर्फविहीन हो रहे हैं। अगर केदारनाथ के आसपास ऐसा होता है तो हम इसे वैश्विक कारणों से होना ही नहीं कह सकते बल्कि उनके साथ यहां स्थानीय आघात भी जुड़ रहे हैं। फरवरी, 2021 में नीति घाटी में ग्लेशियर टूटने से धौली गंगा में भारी बाढ़ आई थी। दरअसल, पर्यटन व्यवसाय केन्द्रित पुनर्स्थापना की दिशा इतनी आगे चली गई है कि बीती 3 जून, को हेलिकॉप्टर से एक जीप केदार पुरी में उतार दी गई। दलील है इससे अशक्तों को सुविधा मिलेगी। यदि ऐसा ही रहा तो वह दिन दूर नहीं, जब दसियों ऐसे वाहन होंगे। ऐसे ही अब हर घंटे करीब 25 हेलिकॉप्टर उड़ानें हो रही हैं जिनसे केदार नाथ सेंक्चुरी भी खतरे में है। वर्ष 2015 में ही एनजीटी ने उत्तराखंड सरकार से उड़ानों के वन्यजीवों पर असर का वैज्ञानिक अध्ययन करवाने को कहा था। खासकर उड़ाने बहुत नीचे होने पर आघात बढ़ जाते हैं। वहीं पंखों की हवा से धाम में कम्पन से आसपास ग्लेशियर्स की ताजी बर्फ अस्थिर नहीं हुई होगी, इस बात से इनकार नहीं कर सकते। आशंका व्यक्त की गई थी कि हेलिकॉप्टर उड़ानों से त्रस्त दुर्लभ वन्यजीव अपने अधिवास छोड़ रहे हैं। वर्ष 2013 की आपदा से इकोसिस्टम को भी बड़ा नुकसान पहुंचा। सरकारों ने न तो इस पारिस्थितिकीय नुकसान को जाना और न ही प्रकृति को बीते ग्यारह सालों में स्वतः ठीक होने का मौका दिया। इस दौरान अबाध निर्माण गतिविधियों व मानव उपस्थिति और तेज रोशनी में जब कपाट बंद रहते हैं तब भी निर्माण कार्य जारी रहे। इसके उलट भूस्खलन, जलस्रोत सूखने व केदारनाथ वन सेंक्चुरी जैसे जैव विविधता के क्षेत्रों में वनाग्नियों के जोखिम भी बढ़े। पर्यावरणीय, पारिस्थितिकीय पुनरुत्थान के बजाय इनमें गिरावट ही आई। हजारों की भीड़ से जलापूर्ति व कचरे की समस्याएं बढ़ी हैं। पारिस्थितिकीय हानि इतनी होने लगी कि पगडंडी मार्गों पर हिमस्खलन जोखिम हर साल बढ़ रहे हैं। ग्लेशियर टूटने की ही तरह ग्लेशियर फिसल कर बस्तियों, मार्गों या ट्रैकिंग राहों में आकर जान-माल का नुकसान बढ़ा है। केदार धाम जैसे हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हेलिकॉप्टर उड़ानों व सूक्ष्म भूकम्पकीय झटकों से तेज बरसातों, ताजी बर्फ में फिसलाव व टूटन का खतरा तो रहेगा ही। जलवायु बदलाव के कारण ग्लेशियर्स की समस्याओं के साथ ही केदारनाथ जैसी जगहों में बादल विस्फोट बड़ी समस्या होने जा रही है। इन ग्यारह सालों में नये लैंडस्लाइड जोन बन गये हैं। फ्लैश फ्लडों से अब ज्यादा नुकसान होने की संभावनाएं हैं। उत्तराखंड सरकार को इस दिशा में नई क्षमता विकसित करनी होगी। किसी स्थल में आकस्मिक घटित आपदा की सूचना पाकर हम कितने जल्दी पीड़ितों के बचाव व खोज कार्यों के लिये वहां पहुंचते हैं। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार यदि बादल विस्फोटों की चेतावनियां दी भी जा सकें तो उन पर अमल के लिये दो-तीन घंटों का ही समय मिलता है। मंदाकिनी और सरस्वती नदियों पर रोक दीवारें भी बन गई हैं व बगल में रास्ते भी। नदियों के बाढ़ प्रबंधन और रिटेनिंग वॉल निर्माणों में बाढ़ जल के विगत में अधिकतम ऊंचाई के स्तर और अधिकतम फैलाव को संज्ञान में रखा जाता है।

कुछ अलग

मां-बाप की सुध

यह विडंबना है कि हमारे सामाजिक ताने-बाने में तेजी से आए बदलाव के बीच वृद्ध माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। अदालतों में गुजारा-भत्ते से जुड़े विवाद बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार वृद्ध माता-पिता की देखभाल के लिये बाध्य करने वाले 2007 के कानून में बदलाव लाकर, इसका दायरा बढ़ाने के मकसद से नये कानून लाने की तैयारी में है। माता-पिता और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े वर्षों पुराने कानून को प्रभावी व व्यावहारिक बनाने की कोशिश है। पहले वृद्ध माता-पिता अपनी संतानों से दस हजार रुपये तक का गुजारा भत्ता पाने के हकदार थे। बताया जा रहा है कि नये विधेयक के अनुसार अब माता-पिता का गुजारा भत्ता बच्चों की आर्थिक हैसियत से तय होगा। वहीं बच्चों के साथ कटुता कम करने के प्रयासों में माता-पिता व बुजुर्गों को त्यागने अथवा दुर्व्यवहार पर बच्चों को दी जाने वाली सजा में कमी करने की तैयारी है। सामाजिक संगठनों से विमर्श में यह बात सामने आई थी कि लंबी सजा से माता-पिता और बच्चों के संबंधों में ज्यादा खटास बढ़ती है। कहा जा रहा है कि सरकार बजट सत्र में इस विधेयक को पेश कर सकती है। दरअसल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े 2007 के कानून में बदलाव की पहल तब की, जब समाज में बुजुर्गों की अनदेखी व दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढ़े हैं। दरअसल, नये विधेयक में इससे जुड़े कानून की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, मंत्रालय ने कानून में बदलाव की पहल वर्ष 2019 में कर दी थी। इसी साल लोकसभा में एक विधेयक भी पेश किया गया था। इसके व्यापक पहलुओं की पड़ताल के लिये विधेयक को बाद में संसदीय समिति के पास भेज गया था। संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने एक बार फिर एक विधेयक को संसद में पेश किया था। लेकिन वह पारित नहीं हो पाया था। कालांतर 17वीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के कारण विधेयक निष्प्रभावी हो गया था। जिसके बाद अब सरकार नये सिरे से इस विधेयक को संसद में लाने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में कई नये प्रावधानों को जोड़ा गया है। एक ओर जहां गुजारा भत्ते के सीमित दायरे को खत्म किए जाने का प्रावधान है, वहीं विगत में आए बच्चों की सजा बढ़ाने के प्रस्ताव को टाला गया है। अब इसे सिर्फ प्रतीकात्मक तौर पर ही रखा जाएगा। वहीं गुजारा भत्ता देने की जवाबदेही का विस्तार करते हुए अब पात्र बच्चों के दायरे में दामाद, पुत्रवधु, नाती-पोते, पोती-नातिन व अल्पवयस्क बच्चों के विधिक अभिभावकों को भी शामिल किया गया है। अब तक इस जवाबदेही के दायरे में बेटा-बेटी व दत्तक बेटा-बेटी ही शामिल थे। इसके अलावा विधेयक में प्रत्येक जिले में बुजुर्गों की गणना, मेडिकल सुविधाओं से लैस वृद्ध आश्रम व जिला स्तर पर एक सेल गठित करने जैसे प्रावधान हैं।

देश दुनीया से

एकीकृत कमान ही तोड़ेगी आतंकवाद की रीढ़

> कठुआ जिले के बदनोता गांव के पास उनके वाहन को निशाना बनाया गया था। कभी अपेक्षाकृत शांत समझे जाने वाले जिले पुंछ और राजौरी में भी पिछले दो सालों से चिंतित करने वाली आतंकी घटनाओं में उछाल आया है। अब आतंकी गुट रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हमले करने लगे हैं, जिन्हें पहले कमोबेश आतंक-मुक्त माना जाता था। ऐसा होने पर जम्मू संभाग के एक छोर से दूसरे तक टकराव के बिंदु उभर आए हैं, यह आतंकवादियों द्वारा सोच-समझकर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीति का संकेत है। आधुनिक हथियारों से लैस और अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी जम्मू की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से होकर घुसपैठ करने में सफल रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि घुसपैठ पंजाब वाली सीमा से भी हुई होगी।

जम्मू संभाग से कैप्टन बृजेश थापा और तीन अन्य बहादुर सैनिकों के शहीद होने की दुखद खबर आई है। उन्होंने डोडा जिले के देसा वन में आतंक-रोधी अभियान में अपने फर्ज को अंजाम देते हुए जीवन की आहुति दी है। यह घटना पिछली वारदात के एक हफ्ते के अंदर घटी है, जिसमें सैनिकों पर घात लगाकर किए गए कातिलाना हमले में पांच सैनिक शहीद हुए थे। कठुआ जिले के बदनोता गांव के पास उनके वाहन को निशाना बनाया गया था। कभी अपेक्षाकृत शांत समझे जाने वाले जिले पुंछ और राजौरी में भी पिछले दो सालों से चिंतित करने वाली आतंकी घटनाओं में उछाल आया है। अब आतंकी गुट रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हमले करने लगे हैं, जिन्हें पहले कमोबेश आतंक-मुक्त माना जाता था। ऐसा होने पर जम्मू संभाग के एक छोर से दूसरे तक टकराव के बिंदु उभर आए हैं, यह आतंकवादियों द्वारा सोच-समझकर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीति का संकेत है। आधुनिक हथियारों से लैस और अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी जम्मू की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से होकर घुसपैठ करने में सफल रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि घुसपैठ पंजाब वाली सीमा से भी हुई होगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर सिवान ने भी इस कयास को कबूलते हुए कहा है 'कुछ घुसपैठ हो रही है, यह सबको मालूम है।' जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में दो मुख्य पहलू हैं। प्रथम, पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध आतंकवाद को बतौर राजकीय नीति बरतने से रोकना। इस पर नियंत्रण प्राप्ति के लिए जरूरत है भारत की राष्ट्रीय शक्ति का निरंतर एवं भरोसेमंद प्रदर्शन किया जाना ताकि पाकिस्तान को अहसास हो कि ऐसी नीतियां अंततः उसका अपना नुकसान करेंगी। यह वह दीर्घ-कालीन प्रयास है, जिसमें राजनयिक, आर्थिक और संभावित सैन्य उपाय शामिल हैं। दूसरा पहलू है, भारतीय भूमि से आतंकवाद को सख्ती से उखाड़ फेंकना। हालांकि सामान्य आतंक-रोधी अभियानों में कुछ झटके लगना स्वाभाविक होता है परंतु उनके सतत हमले, जिसमें आतंकवादियों को नुकसान की बनिस्बत सैनिकों और सिविलियनों की जानें ज्यादा जाएं, यह सुरक्षा बलों द्वारा अपनाई रणनीति और उपायों पर गंभीर सवाल है। सैन्य नेतृत्व के लिए यह जरूरी है वे अपने तौर-तरीकों की समीक्षा करें, अपने निजी अनुभवों के आधार पर मेरे कुछ सुझाव हैं। अंतर्राष्ट्रीय सीमा और वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा पर लागू आतंकी घुसपैठ रोधी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। इसके लिए जहां जरूरी हो, वहां अतिरिक्त बल की तैनाती की जाए। तथापि, यहां पर इंसानी सहनशक्ति की सीमा की पहचान करना बहुत महत्वपूर्ण है। महीनों तक, लगातार काम में लगे रहने से थकान हावी होना स्वाभाविक है। जिससे ध्यान केंद्रित रखने में बाधा और गलतियां करने की संभावना बढ़ जाती है। इसका हल निकालने को तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कोई एक दशक से अधिक समय में सीमा पर 'स्मार्ट बाड़' लगाने की बातें चलती रही हैं लेकिन इस पर अमल लगातार नहीं हुआ है। अंतहीन पूर्व-परीक्षणों से सटीकतम हल पाने का इंतजार करने की बजाय हमें पहले वह बाड़ चुन लेनी चाहिए जो मौजूदा वाली से अधिक कारगर हो। साथ ही, हमें सुरंगों को पकड़ने वाली तकनीक को सुधारने की जरूरत है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार आतंकियों ने सीमा रेखा के आरपार ऐसी सुरंगें बना रखी हैं। विशेष सुरक्षा बलों को आतंक-रोधी अभियानों में अधिक जिम्मेवारी दी जाए। यह हमारे वह सबसे बढ़िया प्रशिक्षित सैनिक हैं, जो पहाड़ी और वनीय इलाके में अक्सर छिपने वाले आतंकियों को ढूंढ़कर मार गिराने के लिए छोटी टोली में बंटकर, अभियान चलाने के लिए आदर्श रूप में सटीक बैठते हैं। अतिरिक्त विशेष बलों को तैनात कर और चिह्नित इलाके में अपना काम करने का मुक्तहस्त देकर, हम अपने अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ा सकते हैं। खुफिया सूचनाएं सफल अभियानों की रीढ़ की हड्डी होती हैं। अक्सर इंसान से मिली खुफिया जानकारी सबसे विश्वसनीय होती है। स्थानीय समुदायों को अपने साथ जोड़कर, हम अपने गुप्त सूचना तंत्र को विस्तार दे सकते हैं। बेशक कुछ ऐसे स्थानीय लोग भी होंगे, जो आतंकियों के पक्षधर हैं, लेकिन फिर भी जम्मू की कुल आबादी में अधिसंख्यक घोर राष्ट्रवादी हैं। इसलिए स्थानीय लोगों को शक की निगाह से देखने का परिणाम उलट हो सकता है। इसकी बजाय, हमें स्थानीय लोगों से अधिक संख्या में विशेष पुलिस अधिकारी और ग्राम सुरक्षा प्रहरी भर्ती करने चाहिए। ये लोग हमारे लिए आंख और कान का काम करेंगे, साथ ही आतंकियों के विरुद्ध सुरक्षा की प्रथम पंक्ति भी मुहैया करवाएंगे। अधिक खुफिया सूचना प्रवाह बनने पर, सुरक्षा बल अपना 'खोज एवं खात्मा' अभियान प्रभावी रूप से चला पाएंगे। फिलहाल उस इलाके में कई सुरक्षा संगठन काम में लगे हैं।

आप का नजरीया

जवानों की शहादत का माकूल जवाब दें

जम्मू में आतंकवाद के खिलाफ आपरेशन पर निकले जवानों को एक बार फिर आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया जाना बताता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लंबी चलेगी। सोमवार को डोडा में हुए आतंकवादी हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों का बलिदान बताता है कि पाक समर्थित आतंकवादियों ने बदले हालात में हमले की रणनीति में बदलाव किया है। कश्मीर के बजाय जम्मू क्षेत्र में दहशत फैलाने की सोची-समझी साजिश रची है। यही वजह है पिछले करीब डेढ़ माह में देश ने जम्मू इलाके में ग्यारह जवानों को खोया है। वहीं दस नागरिक भी आतंकी हिंसा का शिकार बने हैं। बहरहाल, ये हालात उन दावों के विपरीत हैं जिसमें कहा जाता रहा है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में आतंकवाद पर अंकुश लगा है। सुरक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने सुनियोजित तरीके से घाटी के बजाय जम्मू को आतंकवादी घटनाओं के लिये चुना है। दरअसल, अब तक आतंक का केंद्र रही कश्मीर घाटी में सुरक्षा चक्र मजबूत है। वहीं दूसरी ओर एलओसी पर सख्त नियंत्रण के चलते जम्मू से लगते इंटरनेशनल बॉर्डर को घुसपैठ के लिये चुना गया है। आतंकवादियों द्वारा सैनिकों को निशाना बनाने से साफ है कि पाक सेना के लोग आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। वहीं कश्मीर में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन नये छद्म नामों से हमलों की जिम्मेदारी ले रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि जम्मू क्षेत्र में हालिया आतंकी गतिविधियों में वृद्धि की वजह यह भी है कि अपेक्षाकृत शांत माने जाने वाले जम्मू इलाके में पिछले कुछ वर्षों में सैन्य तैनाती को घटाया गया है। दरअसल, पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सैनिकों से संघर्ष के बाद बड़ी संख्या में सैनिकों को जम्मू से हटाकर लाइन ऑफ एक्चुएल कंट्रोल पर भेजा गया था। ऐसा चीन की भारी सैन्य तैनाती के बाद किया गया था। वैसे वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में बदलाव के बाद घाटी में कमोबेश आतंकी घटनाओं में कमी देखी गई। लेकिन आतंकवादियों ने जम्मू में सुरक्षाबलों की कमी का लाभ उठाकर हमले तेज कर दिये। हालिया घटनाएं केंद्र सरकार को मंथन का संदेश देती हैं कि जम्मू-कश्मीर में दशकों से स्थापित व्यवस्था में परिवर्तन के वक्त विपक्ष को साथ लेकर इस स्थिति को बदलने से उत्पन्न दूरगामी परिणामों पर विचार किया जाना चाहिए था, जिससे क्षेत्र के लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलती। वहीं दूसरी बात यह भी है कि ये हमले तब तेज हुए हैं जब केंद्र में मजबूत सरकार के बजाय एक गठबंधन सरकार आई है। पाक हुक्मरानों को ये मुगालता रहा है कि कमजोर केंद्र सरकार के दौर में वे अपने मंसूबों को अंजाम दे सकते हैं। वहीं हमले ऐसे वक्त में बढ़े हैं जब केंद्रशासित प्रदेश में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली की सरगर्मियां बढ़ी हैं। जम्मू-कश्मीर में हाल के लोकसभा चुनावों में बंपर मतदान हुआ था। जो पाक हुक्मरानों को रास नहीं आया। बहरहाल, अब केंद्र सरकार द्वारा सुरक्षा बलों को कार्रवाई की खुली छूट देने, जम्मू क्षेत्र में अधिक सुरक्षाबलों की तैनाती तथा विभिन्न सुरक्षा संगठनों में बेहतर तालमेल से देर-सवेर आतंकियों को कुचलने में मदद मिल सकेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के लिए जीत का मंत्र दिया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने पीएम नरेंद्र मोदी से की शिष्टाचार भेंट

सोनीपत (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व राई से विधायक मोहनलाल बडौली ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी जिसमें हरियाणा प्रदेश की राजनीति को लेकर खास मंथन किया गया। तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी इसके लिए उनको खास रणनीति के साथ एक मंत्र दिया है। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के संबंध में बताते हुए प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सभी 90 सीटों पर भाजपा की रणनीति पर

चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस के द्वारा फैलाई गई भ्रम की राजनीति को खत्म करके सच्चाई की जीत होगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कहा कि हरियाणा में भाजपा का संगठन तीसरी बार सरकार के गठन के लिए तैयार है। पूरे प्रदेश में बैठकों का दौर जारी है और जल्द ही प्रदेश भर के नेता और मंत्री बूथ स्तर पर उतरेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नव नियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली को अपने संगठन के अनुभव का पूर्ण इस्तेमाल करके मजबूती से चुनाव के लिए भाजपा संगठन को तैयार करने के लिए कहा है।

अंबाला में पूर्व सैनिक ने अपने पांच परिजनों को मौत के घाट उतारा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के अंबाला में एक पूर्व सैनिक ने जमीन विवाद के चलते अपने भाई के परिवार को मौत के घाट उतार दिया। पूर्व सैनिक ने अपने भाई समेत पांच लोगों की हत्या कर दी। आरोपी ने पिता को भी मारने का प्रयास किया लेकिन वह गंभीर रूप से घायल होकर बच गए। घटना रविवार की रात अंबाला जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्रांतर्गत गांव रतोर में हुई है। आरोपी ने अपने परिजनों की हत्या करने के बाद आधी रात में ही शवों को जलाने का भी प्रयास किया। अल सुबह तीन बजे बड़ी संख्या में पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर अधजले शवों को अपने कब्जे में लेकर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रतोर गांव निवासी पूर्व सैनिक भूषण कुमार का अपने भाई के साथ जमीन का विवाद चल रहा था। इस विवाद में आरोपी यह मानता था कि उसके माता-पिता भाई का पक्ष ले रहे हैं।

प्रदेश में नवीन तहसील और उप तहसील बनाने के लिए निर्धारित मापदंड : राजस्व मंत्री

जयपुर (हिंस)। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में नवीन तहसील और उप तहसील बनाने के स्पष्ट मापदंड हैं। विधानसभा क्षेत्र माण्डलगढ़ की उप तहसील बड़लियास को मापदंड पूरा करने पर ही तहसील बनाने के विषय में विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नवगठित जिलों एवं संभागों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समीक्षा करने एवं मापदंडों के आधार पर परीक्षण के लिए मंत्रीमंडलीय उप समिति तथा उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित की गई है। राजस्व मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा राजनैतिक लाभ के लिए बिना मापदंडों को ध्यान में रखे नई तहसील बनाने के निर्णय लिये गये। इससे पहले विधायक गोपाल लाल शर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में राजस्व मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र माण्डलगढ़ की उप तहसील बड़लियास के क्षेत्राधिकार में एक पूर्ण एक आंशिक भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त 7 पटवार मंडल एवं 31 राजस्व ग्राम शामिल हैं, जो राजस्व मंडल के पत्र दिनांक 19 अप्रेल, 2007 द्वारा तहसील के नवसृजन के लिए निर्धारित मापदंडों को पूर्ण नहीं करते हैं। उन्होंने मापदंडों की प्रति सदन के पटल पर रखी। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग की अधिसूचना तीन अगस्त, 2023 से भीलवाडा जिले की तहसील माण्डलगढ़ बिजौलियां एवं कोटडी का पुनर्गठन कर अधिसूचना दिनांक 05 अगस्त, 2023 से माण्डलगढ़ विधानसभा क्षेत्र की कोटडी तहसील की 13 ग्राम पंचायतों में से 05 ग्राम पंचायतों (नन्दराय कंकरोलियाघाटी मंशा गंहूली व जावल) को ही नवसृजित जिला शाहपुरा में शामिल किया गया है। शेष ग्राम पंचायतें (गेंदलिया आमा सूठेपा बडलियास जीवाकाखेड़ा आकोला गेगाकाखेड़ा व किशनगढ़) पूर्ववत जिला भीलवाडा में है। इसी प्रकार तहसील माण्डलगढ़ से 07 ग्राम पंचायतों (काछोला राजगढ़ सरथला थलकला जस्सूजी का खेड़ा मांगटला व झंझोला) को तथा तहसील बिजौलियां से एक ग्राम पंचायत (जलीन्द्री) को नवसृजित शाहपुरा जिले में शामिल किया गया है। राजस्व मंत्री ने बताया कि प्रदेश में नवगठित जिलों एवं संभागों की प्रशासनिक दृष्टिगत क्षेत्राधिकार सुचारू संचालन प्रशासनिक आवश्यकता वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता आदि की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समीक्षा बाबत् राजस्व विभाग के आदेश 12 जून, 2024 द्वारा एक मंत्रीमंडलीय उप समिति का गठन किया गया है तथा गठित उप समिति को सहयोग प्रदान करने हेतु विभागीय आदेश दिनांक 01 जुलाई, 2024 के द्वारा डॉ. ललित के पंवार सेवानिवृत्त आईएएस की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। उन्होंने आदेशों की प्रति सदन के पटल पर रखी।

आरएसएस की शाखाओं में सरकारी कर्मचारियों के जाने पर लगे प्रतिबंध को हटाना राजनीति से प्रेरित : मायावती

लखनऊ (हिंस)। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखाओं में जाने पर लगे प्रतिबंध को 58 वर्ष बाद हटा लिया है। अब सरकारी कर्मचारी भी संघ के कार्यक्रमों में जा सकेंगे। सरकार के इस निर्णय के बाद बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की शाखाओं में जाने पर 58 वर्ष से जारी प्रतिबंध को हटाने का केंद्र का निर्णय राजनीति से प्रेरित संघ तुष्टीकरण का निर्णय, ताकि सरकारी नीतियों व इनके अहंकारी रवैयों आदि को लेकर लोकसभा चुनाव के बाद दोनों के बीच तीव्र हुई तल्खी दूर हो। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को संविधान व कानून के दायरे में रहकर निष्पक्षता के साथ जनहित व जनकल्याण में कार्य करना जरूरी होता है। जबकि कई बार प्रतिबंधित रहे आरएसएस की गतिविधियां काफी राजनीतिक ही नहीं बल्कि पार्टी विशेष के लिए चुनावी भी रही हैं। ऐसे में यह निर्णय अनुचित है और इसे तुरन्त वापस लेना चाहिए।

बीकानेर के 22 हजार 188 परिवारों को अब घर बैठे मिल रही राशन सामग्री

बीकानेर (हिंस)। जिले के 22 हजार 188 परिवारों को घर बैठे राशन मिलने लगा है। यह ऐसे परिवार हैं, जिनके सभी सदस्य 18 वर्ष से कम अथवा 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं अथवा निशक्त हैं। यह उपभोक्ता, उचित मूल्य दुकान तक जाकर राशन सामग्री लेकर आने में असमर्थ थे। इसके लिए इन्हें किसी सहारे की जरूरत थी। ऐसे में इनकी परेशानी समझते हुए राज्य सरकार ने यह संवेदनशील पहल की है। अब इन्हें घर बैठे राशन मिलने लगा है। जिले में 1 जुलाई से डोर स्टेप डिलीवरी प्रारम्भ कर दी गई है। जिले के 22 हजार 188 परिवारों में बज्जू के 951, बीकानेर शहर के 4 हजार 761, बीकानेर ग्रामीण के 2 हजार 750, छतरगढ़ के 888, देशनोक के 108, खाजूवाला शहर के 198, ग्रामीण के

789, कोलायत के 1 हजार 983, लूणकरणसर के 2 हजार 623, नोखा शहर के 543, ग्रामीण के 1 हजार 319, पांचू के 1 हजार 804, पूगल के 1 हजार 28, श्रीडूंगरगढ़ शहर के 509 तथा ग्रामीण के 1 हजार 934 परिवार सम्मिलित हैं। घर बैठे राशन सामग्री प्राप्त करने वाली गंगाशहर की दुर्गादेवी ने बताया कि इस उम्र में राशन सामग्री लेने जाना मुश्किल भरा था। कई बार कतार में खड़ा रहना पड़ता। ऐसी व्यवस्था करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खाद्य मंत्री सुमित गोदारा का आभार जताया और कहा कि मुख्यमंत्री की यह पहल निशक्तजन और बुजुर्गों का सहारा बनी है। जिला रसद अधिकारी भागूराम महला ने बताया कि योजना के तहत उचित मूल्य दुकानदार या उसके द्वारा नामित व्यक्ति इन परिवारों को घर बैठे राशन उपलब्ध करवाएगा। इसके लिए संबंधित व्यक्ति वितरण के दौरान पोस मशीन, वेट मशीन तथा अन्य आवश्यक सामान साथ लेकर जाएगा।

निजीकरण के विरोध में जलदाय विभाग के कर्मचारियों का प्रदर्शन

बीकानेर (हिंस)। निजीकरण को आग लगा दोज्आग लगा दोज्सरकार अपना निर्णय वापस लेज्। सरीखे नारों के साथ आज जलदाय विभाग के कर्मचारियों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। सरकार की इस मंशा को देखते हुए प्रदेशभर में जलदाय विभाग के कर्मचारियों में रोष है। प्रदेशभर में विरोध की लहर फैल रही है। कर्मचारी इस निजीकरण को अनुचित बता रहे हैं। सोमवार को इसको लेकर प्रदेशभर में प्रदर्शन कर रोष जताया गया। राज्य सरकार की मंशा के खिलाफ राजस्थान पीएचईडी तकनीकी कर्मचारी संघ के तहत आज विरोध प्रदर्शन किया गया। संगठन की बीकानेर शाखा की ओर से चौतीना कुआं, नया शहर टंकी पर रोष जाहिर किया गया। कर्मचारियों ने निजीकरण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदेश महामंत्री जयगोपाल जोशी, जिला अध्यक्ष अखेचंद मारु के नेतृत्व में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष संतोष विजय और संयुक्त संघर्ष समिति जयपुर के आह्वान पर बीकानेर जिले के जलदाय विभाग के सभी कार्यालयों पर पूरजोर ढंग से विरोध जताया गया। प्रदेश महामंत्री जयगोपाल जोशी ने कहा कि अगर राज्य सरकार ने इस काले कानून, निजीकरण का प्रस्ताव वापिस नहीं लिया तो संगठन आगामी आदेशों अनुसार आंदोलन की रुपरेखा तैयार कर निरंतर रूप से विरोध करेंगे। जिला अध्यक्ष अखेचंद मारु ने बताया कि विरोध प्रदर्शन में उपखंड कार्यालय तृतीय और सप्तम के सभी अधिकारियों ने भाग लिया। निजीकरण के खिलाफ प्रदेशभर में आज जलदाय विभाग के अलग-अलग संगठनों ने रोष जताया। राजधानी के साथ ब्यावर में जलदाय विभाग के कर्मचारियों ने अपने संगठन के बैनर तले आज विरोध प्रदर्शन निजीकरण आदेश को वापिस लेने की मांग उठाई। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सरकार की मंशा है कि प्रदेश में जलदाय विभाग को भी निजी हाथों में दिया जाए। प्रदेश में तीन जिलों में बिजली भी निजी कंपनी के हाथों में है।

महिला कांग्रेस ने संगठन में किया विस्तार, कई पदों पर की अहम नियुक्तियां

रोहतक (हिंस)। महिला कांग्रेस की जिला शहरी अध्यक्ष निर्मल बल्हारा की अध्यक्षता मे बैठक हुई, जिसमें जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए कई अहम पदों पर नियुक्ति की गई। उन्होंने बताया कि सुनीता ढांडा, प्रेम देवी, धनपति हुड्डा, अनिता हुड्डा, बीरमती, कमलेश दहिया, सावित्री देवी, सुमन कादियान, निर्मल डागर, कृष्णा हुड्डा, भगवानी देवी, जगमति फौगाट व पूनम नांदल को महासचिव, भतेरी देवी, पूनम बेनीवाल, मुकेश धनखड, संतोष देवी, सुरेश नांदल, रीना हुड्डा, नीलम जून, अनिल नांदल, नीलम हुड्डा, सुमन दूहन को सचिव, पूजा सुहाग को ब्लॉक अध्यक्ष, डॉ. कश्मीरी, प्रमिला शर्मा, राज कला, ओमी हुड्डा, कविता शर्मा उपाध्यक्ष, मुकेश श्योराण को वार्ड प्रधान नियुक्त किया गया है।

ट्रेलर-टैंकर की टक्कर में जिंदा जला ड्राइवर

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर-नागौर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-62 पर रविवार रात को चटालिया गांव के पास एक तेल टैंकर और पत्थरों से भरे ट्रेलर की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई। वहीं आग लगने के दौरान टैंकर चालक कैबिन में ही फंस गया और आग से जिंदा जल गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार खेड़ापा से आगे चटालिया गांव के निकट आमने-सामने टैंकर और ट्रेलर की आपस में भिड़ंत हो गई। इसके चलते टैंकर ने आग पकड़ ली। कैबिन में फंसने की वजह से चालक को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और उसकी मौके पर ही आग से जलने की वजह से मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी लाखाराम जाखड़ के साथ थाने की टीम भी मौके पर पहुंची। इसके साथ ही दोनों वाहनों में लगी आग बुझाने के लिए भोपालगढ़ नगरपालिका समेत रामधाम रामचौकी बिराई व जोधपुर से दमकलें मौके पर बुलाई गई और इनके आने के बाद आग पर काबू किया जा सका। इस दौरान रेस्क्यू टीम को तीन व्यक्तियों की जिंदगी बचाने में भी सफलता मिली। टैंकर में तेल भरा हुआ था, लेकिन गनीमत रही कि टैंकर फटा नहीं, अन्यथा बड़ा हादसा भी हो सकता था। इस रेस्क्यू के दौरान चार दमकल, तीन हाइड्रो और दो एंबुलेंस के साथ खेड़ापा थाने की टीम के साथ आसपास के ग्रामीणों ने भी कड़ी मशक्कत की और ट्रेलर के कैबिन से तीन जनों को जिंदा बाहर निकालने में भी सफलता मिली।

स्वास्थ्य कर्मियों ने किया सिविल सर्जन ऑफिस का घेराव

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद में सोमवार को स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सिविल सर्जन कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने सेक्टर 3 स्वास्थ्य केंद्र से बिना कारण बताओ नोटिस के एक महिला स्वास्थ्य कर्मी को निकाले जाने का विरोध जताया। हरियाणा सर्व कर्मचारी संघ के नेता नरेश शास्त्री ने बताया कि बीते कुछ दिनों पहले सेक्टर 3 स्वास्थ्य केंद्र से आयुष्मान सरल योजना के तहत लगी एक स्वास्थ्य कर्मी पूनम को बिना कारण बताओ नोटिस के नौकरी से निकाल दिया गया था। इस बारे में जब सिविल सर्जन विनय गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ से ही स्वास्थ्य कर्मी पूनम को नौकरी से निकल गया है। वह बारे में नहीं जानते, लेकिन जब चंडीगढ़ बात की गई तो उन्होंने बताया कि यहां से किसी भी स्वास्थ्य कर्मी

कर्मी पूनम को नौकरी से बाहर कर दिया है। सेक्टर 3 की कई महिला को नौकरी से नहीं निकल गया। शास्त्री ने कहा कि इससे साफ प्रतीत होता है कि सिविल सर्जन विनय गुप्ता ने किसी द्वेष के चलते स्वास्थ्य कर्मियों ने यहां तैनात डॉक्टर तरुण के खिलाफ कई तरह के आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ सिविल सर्जन को शिकायत दी थी। सिविल सर्जन ने डॉक्टर तरण के खिलाफ कार्रवाई न करते हुए उल्टे पूनम को नौकरी से निकाल दिया। शास्त्री ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों ने एकत्रित होकर सिविल सर्जन कार्यालय का घिराव किया है। उनसे जवाब मांगने की जब कोशिश की गई तो सिविल सर्जन अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं थे। इसके चलते उन्होंने पूनम को नौकरी से निकले जाने का कारण बताने व एचकेआरएन के तहत लगे स्वास्थ्य कर्मियों को ईएसआई ,वर्दी के लिए भत्ता आदि जैसी कई सुविधाओं को देने के लिए ज्ञापन सिविल सर्जन की अनुपस्थिति में डिप्टी सिविल सर्जन राम भगत को सौंप दिया है।

पंजाब मे जो हश्र हुआ था उससे लेना चाहिए किसान संगठनों को सबक : बृजेंद्र सिंह

जींद (हिंस)। कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने उचाना मंडी, किसान संगठनों द्वारा चुनाव लडऩे के फैसले पर कहा कि पंजाब में जो इन्होंने (किसान संगठन) चुनाव लड़ा उससे सबक ले लेना चाहिए था। आंदोलन करना चुनाव से बिल्कुल अलग होता है। जब पंजाब में चुनाव लड़े तो क्या हश्र हुआ था। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह सोमवार को नचार खेड़ा गांव में कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। आप की पांच गारंटी पर पूर्व सांसद ने कहा कि ये वो चीजें है जो कोई भी पार्टी है सरकार में आने पर सबसे पहला प्रयास ये ही होता है। शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं देना। आम आदमी पार्टी को हरियाणा में मैं कोई सीरियस प्लेयर नहीं मानता। हरियाणा में कम से कम 2024 का चुनाव है उसमें मुकाबला सीधा-सीधा कांग्रेस, बीजेपी के है। भाजपा द्वारा नॉन स्टॉप हरियाणा के माध्यम से किए जा रहे प्रचार पर कांग्रेस नेता ने कहा कि ये एक जुमला है। नॉन स्टॉप लोगों की तकलीफ भाजपा बढ़ रही है। हरियाणा में कानून व्यवस्था की स्थिति नॉन स्टॉप बिगडऩे लग रही है। उसके ऊपर कुछ कर ले तो बेहतर होगा बजाए जुमलेबाजी के। अजय सिंह चौटाला द्वारा भूपेंद्र हुड्डा को लेकर दिए गए विवादित बयान पर बोलते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि ऐसी हलकी बात किसी नेता को नहीं करनी चाहिए। ये औच्छी चीजें है लोगों में अच्छा संदेश नहीं जाता। इस तरह की बातों से गुरेज करना चाहिए। पूर्व सांसद खरकभूरा, उदयपुर, नचार, दुर्जनपुर गांव में पहुंचे थे। यहां पर कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए।

भागलपुर के जहाज घाट पर 11 शिवभक्त डूबे, चार की मौत

भागलपुर (हिंस)। बिहार के भागलपुर जिले में रविवार रात करीब दो बजे सावन के पहले सोमवार के लिए गंगा नदी से जल लेने गए 11 शिवभक्त डूब गए। इनमें से चार लोगों की मौत हो गई और शेष सात को बचा लिया गया। यह हादसा जिले के भवानीपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर गंगा जहाज घाट पर हुआ। घाट के आसपास के लोगों ने गोताखोरों की मदद से सभी 11 शिवभक्त किशोर और युवकों को बाहर निकाला। इनमें चार की मौत हो गई। मृतक नवगछिया थाना क्षेत्र के नया टोला के रहने वाले हैं। इनमें दो नाबालिग हैं। ग्रामीणों के मुताबिक मृतकों में शिवम कुमार (18) पिता दिगंबर शर्मा, सोनू कुमार (16) पिता दिलीप गुप्ता, आलोक कुमार (18) पिता संतोष भगत और संजीव कुमार (17) पिता अरुण कुमार शाह शामिल हैं। चारों दोस्त हैं।

उप्र विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बनेंगे लाल बिहारी यादव

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद में लाल बिहारी यादव को नेता प्रतिपक्ष बनाने के लिए सभापति को नाम भेजा है। विधान परिषद में लाल बिहारी यादव पहले से सपा दल के नेता हैं। विधान परिषद में अभी तक सपा के पास नेता प्रतिपक्ष बनाने के लिए आवश्यक सदस्य संख्या नहीं थी। पिछले दिनों 13 पदों के चुनाव में सपा को तीन सीटों पर जीत मिली थी। इसकी वजह से सपा के पास विधान परिषद में सदस्यों की संख्या अब बढ़कर 10 हो गई है। यह नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए आवश्यक सदस्य संख्या के बराबर हो गई है। उल्लेखनीय है कि उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा पाने के लिए लाल बिहारी यादव कोर्ट भी जा चुके हैं, इसलिए पार्टी ने यह जिम्मेदारी उन्हीं को देने का फैसला किया है। इसी तरह विधान परिषद में किरन पाल कश्यप को मुख्य सचेतक, आशुतोष सिन्हा को सचेतक और जासमीर अंसारी को उपनेता विधान परिषद बनाने के लिए उनके नाम भेजे हैं। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने सभापति से इन विभिन्न पदों पर भेजे गये नामों को नामित या नियुक्त करने का आग्रह किया है।

हर हर महादेव के नारे से गुंजायमान हुआ शिवालय

भागलपुर (हिंस)। जिले के विभिन्न शिवालयों में बाबा भोलेनाथ की पूजा के लिए सावन की पहली सोमवारी को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव से सभी शिवालय गूंज उठा। बाबा बूढ़ानाथ, मनसकामना नाथ, भूतनाथ शिवशक्ति समेत शहर के दर्जनों शिवालयों में पूरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। सुबह चार बजे से ही मंदिरों में बाबा भोले के जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी। पूरा शहर शिवमय हो गया था। सुबह से लेकर पूरे दिन बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। बूढ़नाथ मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था। सुबह चार बजे से ही महिला पुरुष व बच्चों की लंबी कतार बाबा के जलाभिषेक को लगनी शुरू हो गई थी। बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए शाम पांच बजे तक भक्तों की कतार लगी रही। 50 हजार से ज्यादा भक्तों ने बाबा बूढ़ानाथ को जल फूल बेलपत्र व धतूरा अर्पित किया। मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था के पर्याप्त

इंतजाम थे। शिव शक्ति मंदिर के पट भी सुबह चार बजे भक्तों के लिए खोल दिया गया था। सुबह से ही बाबा के जलाभिषेक के लिए भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। शहर के हजारों भक्तों ने यहां हजारों लीटर दूध से बाबा के रूद्राभिषेक किया। नाथनगर के बाबा मनसकामना नाथ, बमभोकरा नाथ महादेव मंदिर, गुरुद्धेश्लर नाथ व कामश्लर नाथ आदि शिवालय में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। पूरे दिन शहर में शिव आराधना की बयार चलती रही। उधर सुल्तानगंज स्थित अजगैबीनाथ धाम में शिव भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से अजगैबीनाथ धाम के उत्तरवाहनी गंगा में डुबकी लगाने के लिए शिव भक्तों की भीड़ उमड़ू गई। शिव भक्तों ने उत्तरवाहनी गंगा में डुबकी लगाकर गंगा जल लेकर बाबा भोलेनाथ को जलार्पण किया और लाखों कांवरिया ने भी अजगैबीनाथ धाम पहुंचकर उत्तरवाहनी गंगा डुबकी लगाकर गंगा जल लेकर गंगा पूजन करते हुए बाबा भोलेनाथ को जलार्पण करने के लिए पैदल और वाहन से बैधनाथ धाम के लिए बोल बम, हर हर महादेव के नारों के साथ रवाना हो गए। इस दौरान भक्तों में काफी उत्साह देखा गया। पूरा अजगैबीनाथ धाम हर हर महादेव, बोल बम के नारों से गुंजायमान हो उठा। देश के अलग अलग राज्यों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु अजगैबी नगरी पहुंचे हैं। यहां से जल लेकर शिवभक्त 105 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर बैद्यनाथ धाम जा रहे हैं। आज अनुमानत: 80 हजार कांवरिया जल लेकर बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हुए।

फोनपे के संस्थापक व सीईओ ने कर्नाटक जॉब कोटा बिल पर अपना रुख किया स्पष्ट

बेंगलुरु।
फोनपे के संस्थापक और सीईओ समीर निगम ने कर्नाटक के ड्राफ्ट जॉब रिजर्वेशन बिल के बारे में अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका इरादा कभी भी राज्य या यहां के लोगों का अपमान करने का नहीं था।

एक बयान में, निगम ने कहा कि अगर उनकी टिप्पणियों से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचा है, तो मुझे खेद है और मैं बिना शर्त माफी मांगता हूं।

उन्होंने कहा कि कन्नड़ और अन्य सभी भारतीय भाषाओं के प्रति उनके मन में सम्मान है। निगम ने कहा, मेरा मानना है कि भाषाई विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एक राष्ट्रीय संपत्ति है, इस पर सभी भारतीयों को गर्व होना चाहिए और सभी भारतीयों को स्थानीय और सांस्कृतिक मानदंडों का सम्मान करना और जश्न मनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था। सीईओ ने जोर देकर कहा, बेंगलुरु से, पिछले एक दशक में, हमने पूरे भारत में विस्तार किया है और 55 करोड़ से अधिक भारतीयों को सुरक्षित और कुशल डिजिटल भुगतान सेवा देने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी कर्नाटक की सरकार और स्थानीय कन्नड़ लोगों द्वारा दिए गए सहायक कारोबारी माहौल के लिए आभारी है।

उन्होंने कहा, बेंगलुरु के भारतीय स्टार्टअप गूगल, एप्पल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी ट्रिलियन डॉलर की कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ऐसा करने के लिए, इन कंपनियों को भारत में उपलब्ध सबसे बेहतरीन प्रतिभाओं को उनके प्रौद्योगिकी कौशल और कोडिंग, डिजाइन, उत्पाद प्रबंधन, डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग, एआई और उससे आगे जैसे क्षेत्रों में दक्षता के आधार पर रोजगार देने में सक्षम होना चाहिए। निगम ने कहा कि वह बेंगलुरु और कर्नाटक के लिए लाखों नौकरियों के सृजन में मदद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, और, मेरा मानना है कि अधिक संवाद और चर्चा के साथ, हम अधिक स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने के तरीके खोज सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

आम यात्रियों को बजट में मिल सकती हैं इन खास ट्रेनों की सौगात, इन राज्यों के 75 शहरों से होगी शुरू

नई दिल्ली । मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट 23 जुलाई को पेश होने जा रहा है। इस बजट में ट्रेन में सफर करने वाले आम यात्रियों को भी कई बड़ी सौगात मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक, वित्तमंत्री इस बजट में आधुनिक और तेज गति वाली 200 से अधिक नई नॉन एसी ट्रेनें चलाने की घोषणा कर सकती है। इन ट्रेनों के जरिए पहली बार देश के 75 छोटे शहरों (तीन लाख आबादी वाले) को रेल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। पुल-पुश तकनीय से युक्त इन अमृत भारत ट्रेनों में स्लीपर-जनरल कोच होंगे। कुछ रेलमार्गों पर डिमांड के अनुसार इन ट्रेनों में एसी कोच लगाए जा सकते हैं। ये अमृत भारत ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के छोटे शहरों से रोजगार की तलाश में देश के महानगरों में जाने वाले लोगों को ध्यान में रखकर चलाई जाएंगी। इनका किराया सामान्य मेल-एक्सप्रेस की तरह ही होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट 2024 में हाई स्पीड और सेमी हाईस्पीड ट्रेनों को भी प्राथमिकता मिलेगी। वित्त मंत्री देश के उत्तर, पूर्व व दक्षिण भारत के हिस्से में तीन नए हाई स्पीड कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन) बनाने की घोषणा कर सकती हैं। इसमें दिल्ली-अमृतसर सहित कोलकाता और चेन्नई को शामिल किया जा सकता है। कॉरिडोर के फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए बजट का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा बजट में वंदे भारत व वंदे मेट्रो को संख्या बढ़ाने का एलान भी हो सकता है। जानकारी के अनुसार, बजट में बढ़ते रेल हादसों पर अंकुश लगाने के लिए नए रेलमार्गों पर टक्कर रोधी तकनीक वर्जन कवच-4.0 की घोषणा की जा सकती है। इसके तहत 35,736 किलोमीटर रेलमार्गों पर कवच लगाया जाएगा। कचव तकनीक ट्रेनों की आमने-सामने व पीछे से टक्कर रोकने में सक्षम है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में जीडीपी 6.5-7 प्रतिशत रहेगी, आर्थिक सर्वे में सरकार ने जताया अनुमान

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वे सदन में पेश किया। इस आर्थिक सर्वे में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश की वास्तविक जीडीपी या वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर और निजी निवेश में निरंतर गति से पूंजी निर्माण वृद्धि को बढ़ावा मिला है। सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 2023-24 में वास्तविक रूप से 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश का राजकोषीय घाटा (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में) पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में 1.6 प्रतिशत अंक बढ़ा। आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने कहा है कि सेवा क्षेत्र एक प्रमुख रोजगार प्रदाता बना हुआ है वहीं निर्माण क्षेत्र भी हाल ही में प्रमुखता से बढ़ रहा है, जो बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की ओर की गई पहल नतीजा है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

बैंकॉक । चीन के केंद्रीय बैंक ने अपनी पांच वर्षीय प्रमुख ऋण दर और एक वर्षीय दर दोनों में कटौती कर दी है। यह फैसला उसके संपत्ति क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए किया गया है। पांच साल की दर में 10 आधार अंकों की कटौती की गई जिससे यह 3.95 प्रतिशत से 3.85 प्रतिशत हो गई है। एक साल की दर को 3.45 प्रतिशत से घटाकर 3.35 प्रतिशत कर दिया गया। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने बैंकों के लिए अपनी मध्यम अवधि की ऋण सुविधा के लिए संपार्श्विक आवश्यकताओं को भी कम कर दिया है। बैंक ने कहा कि इसका मकसद बॉन्ड बाजार पर दबाव कम करना है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से गति हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसमें संपत्ति बाजार में मंदी एक बड़ी बाधा रही है। आर्थिक वृद्धि दर पिछली तिमाही में गिरकर 4.7 प्रतिशत हो गई, लेकिन वर्ष की पहली छमाही के लिए यह सरकार के लक्ष्य (पांच प्रतिशत) के आसपास बनी रही।

अब एयरबस भारत में तैयार करेगा एच125 हेलीकॉप्टर आठ एफएएल साइट का इस साल होगा भूमिपूजन

नई दिल्ली।
दुनिया भर में एयरलाइन निर्माता कंपनी एयरबस की मात्र ऐसी तीन जगहें हैं जहां कंपनी ने अपने अंतिम असेंबली लाइन स्थापित किए गए हैं। अंतिम असेंबली लाइन का मतलब जहां कंपनी अपने एच125 हेलीकॉप्टर्स का निर्माण करती है। वहीं एयरबस के अधिकारियों ने कहा कि यह सुविधा, जो एकल इंजन एच125 के लिए चौथी अंतिम असेंबली लाइन (एफएएल) होगी, शुरू में सालाना 10 हेलीकॉप्टरों का उत्पादन करेगी और बाजार की मांग के आधार पर क्षमता बढ़ाई जाएगी।

भारत हेलीकॉप्टरों के लिए भविष्य का बाजार

एयरबस हेलीकॉप्टर के वैश्विक व्यापार के कार्यकारी उपाध्यक्ष ओलिवियर माइकलॉन ने कहा, भारत हेलीकॉप्टरों के लिए भविष्य का बाजार है। वर्तमान में, बाजार बेहद प्रारंभिक अवस्था में है, जो कि संभावित संभावनाओं की तुलना में बहुत छोटा है। एफएएल के लिए भूमिपूजन समारोह इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है और यह सुविधा 2026 में चालू हो जाएगी जबकि डिलीवरी 2026 के अंत में शुरू होने की उम्मीद है। बाजार की मांग के आधार पर बढ़ेगा निर्माण ओलिवियर माइकलॉन ने बताया कि हमने आठ जगहों की पहचान की है जिनका हम वर्तमान में मूल्यांकन कर रहे हैं। हम अभी भी मूल्यांकन के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में मैरिग्नेन में एक ब्रीफिंग में माइकलॉन ने कहा, हम आकर्षक और ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र में रहना चाहते हैं जो औद्योगिक गतिविधियों, रसद, कर्मचारियों और निश्चित रूप से, विनियमों के लिए सबसे उपयुक्त हो। वहीं ओलिवियर माइकलॉन ने जोर देकर कहा कि 10 हेलीकॉप्टरों का निर्माण बहुत ज्यादा नहीं है और बाजार की मांग के आधार पर कुछ सालों में यह 20, 30 या 50 हो सकता है।

अगले 20 सालों में एच125 की मांग 500 होने का अनुमान

ओलिवियर माइकलॉन ने कहा कि हम हेलीकॉप्टर बनाते हैं, बेचते हैं और उनका समर्थन करते हैं। साथ ही, हम सॉल्यूशन बनाते हैं, बेचते हैं और उनका समर्थन करते हैं। यही हम प्रदान कर सकते हैं। मेक इन इंडिया सॉल्यूशन भी। वहीं भारत और दक्षिण एशिया में एयरबस हेलीकॉप्टर के प्रमुख सनी गुगलानी ने ब्रीफिंग में कहा कि एयरबस ने अगले 20 सालों में भारत और पड़ोसी देशों में एच125 हेलीकॉप्टरों की मांग 500 होने का अनुमान लगाया है। जानकारी के मुताबिक एयरबस गुजरात के वडोदरा में सी295 विमान के लिए एफएएल भी स्थापित कर रहा है।

दुनिया में 7,200 से ज्यादा एच125 हेलीकॉप्टर भर रहे उड़ान

बता दें कि मैरिग्नेन एयरबस हेलीकॉप्टर का मुख्यालय है। जबकि एयरबस के लिए, एच125 भारत के साथ-साथ दक्षिण एशिया क्षेत्र में सबसे अधिक बिकने वाला हेलीकॉप्टर है। जो छह लोगों को ले जा सकता है। भारत और दक्षिण एशिया (भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव) में लगभग 350 नागरिक और आधे-सार्वजनिक हेलीकॉप्टर हैं। एयरबस के अनुसार, उनमें से 250 से भी कम हेलीकॉप्टर भारत में सेवा में हैं। भारत में करीब 100 एयरबस हेलीकॉप्टर हैं, जिनमें से ज्यादातर एच125 और 130 हैं। दुनिया भर में 4300 से ज्यादा एच125 हेलीकॉप्टर उड़ान भर रहे हैं।

सोना 73 हजार के पार, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली । सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 171 रुपये की तेजी के साथ 73,161 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 179 रुपये की तेजी के साथ 73,169 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 5 रुपये की गिरावट के साथ 89,641 रुपये पर खुला। इस समय यह 66 रुपये की गिरावट के साथ 89,580 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2403.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,399.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 10.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,409.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जल्द ही नथिंग फोन 2ए प्लस को भी लाने की तैयारी

नई दिल्ली ।
स्मार्टफोन बनाने वाली नथिंग कंपनी जल्द नथिंग फोन 2ए प्लस को भी लाने की तैयारी में है। कंपनी अपने इस फोन को इसी महीने 31 जुलाई को पेश करेगी। ये इस सीरीज़ का दूसका फोन है क्योंकि इससे पहले इस साल नथिंग फोन 2ए लॉन्च किया जा चुका है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले प्लस वेरिएंट में मौजूदा मॉडल के मुकाबले बेहतर फीचर्स दिए जाएंगे। नथिंग के को फाउंडर अकीस इवेंजेलिडिस ने हाल ही फोन के कुछ फीचर्स को टीज किया है, जिससे पता चला है कि ये दमदार प्रोसेसर के साथ आता है और इसमें पहले से अलग डिज़ाइन और रूप देखने को मिल सकता है। इसका मतलब साफ है कि नथिंग फोन 2ए प्लस मौजूदा फोन 2ए मॉडल में मौजूद मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रो के मुकाबले ज्यादा पावरफुल चिपसेट दिया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि इसका डिज़ाइन मौजूदा फोन जैसा ही होगा। फिलहाल फोन की कीमत और बाकी फीचर्स को लेकर खुलासा नहीं हुआ है लेकिन पिछले मॉडल को देखते हुए आने वाले मोबाइल की कई खासियत का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। इस साल लॉन्च हुए नथिंग फोन 2ए के फीचर पर नज़र डालें तो इसमें 6.7-इंच का 120एचझेड फुल एचडी+ (1,080म2,412 पिक्सल) अमोलेड स्क्रीन के साथ कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 5 की प्रोटेक्शन दी जाती है। ये ऑक्टा-कोर 4 एनएम मीडियाटेक डाइमेंशन 7200 प्रो एसओसी से लैस है और एंड्रॉयड 14-पर बेस्ड नथिंग ओएस 2.5 के साथ काम करता है। कैमरे के तौर पर इस फोन के रियर पर दो 50-मेगापिक्सल सेंसर और फ्रंट में 32-मेगापिक्सल सेंसर है। पावर के लिए फोन में 45वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी दी जाती है। कीमत की बात करें तो नथिंग फोन 2ए को भारत में मार्च में लॉन्च किया गया था और बाद में मई में स्पेशल एडिशन भी पेश किया गया था। इसके बेस 8 जीबी + 128 जीबी वेरिएंट की कीमत 23,999 रुपये है, जबकि 8 जीबी + 256 जीबी और 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट की कीमत 25,999 रुपये और 27,999 रुपये है।

फिर से रिटेल सेक्टर में धूम मचा सकता है बियाणी परिवार अंबानी और दमानी को फिर से टक्कर देंगे बियाणी

नई दिल्ली ।
किशोर बियाणी करीब एक दशक तक भारत के रिटेल सेक्टर में छाए हुए थे। बियाणी रिटेल किंग के तौर पर जाने जाते थे। लेकिन फ्यूचर रिटेल को उन्होंने फर्श से अर्श पर पहुंचाया था, वह आज मुश्किलों में फंसी हैं। लेकिन बियाणी परिवार फिर से रिटेल सेक्टर में तहलका मचाने की तैयारी में है। किशोर बियाणी की बेटियां अवनी और अशनि बियाणी और भतीजा विवेक बियाणी ने थिएटर स्टाइल मल्टी-ब्रांड रिटेल फॉर्मेट ब्रॉडवे को को-प्रमोट करने के लिए अभिनेता राणा दग्गुबाती, एनारॉक और सलारपुरिया ग्रुप के साथ समझौता किया है। ब्रॉडवे के फाउंडर विवेक बियाणी ने कहा कि ब्रॉडवे को चार लोगों ने मिलकर को-प्रमोट किया है। इसमें मैं और थिंक9 एक यूनिट हैं। साथ ही एक्टर-एंटरप्रेन्योर राणा दग्गुबाती, सलारपुरिया ग्रुप के अपूर्व सलारपुरिया और एनारॉक के अनुज केजरीवाल शामिल हैं। विवेक ने कहा कि सभी प्रमोटर्स ने इस फाइनेंशियल ईयर के लिए अच्छी-खासी राशि निवेश की है। जैसे-जैसे स्टोर्स की संख्या बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे पूंजी जुटाने की भी कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्रॉडवे का पहला स्टोर अगस्त के अंत में दिल्ली में वसंत कुंज स्थित एम्बिएंसी मॉल में खोला जाएगा। इसके बाद अक्टूबर में हैदराबाद और फरवरी 2025 में मुंबई में स्टोर खोले जाएंगे। करीब 25,000 से 35,000 वर्ग फुट में फैले ब्रॉडवे स्टोर में 120 से 150 ब्रांड्स होंगे। बियाणी सिस्टर्स द्वारा लॉन्च फूड स्टोर एंड डाइनिंग कैफे भी ब्रॉडवे का हिस्सा है।

दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए ग्रीन एनर्जी को बजट में मिले पर्याप्त फंडिंग : एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली।
बजट 2024-25 में सरकार को पर्यावरण और गवर्नेंस (ईएसजी) को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक विकास और पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए स्थिर पहल की जा सके। जानकारों की ओर ये ये बातें कहीं गई हैं।बता दें, पिछले महीने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) ने भी भारत में हो रहे एनर्जी ट्रांजिशन को स्वीकारा है। साथ ही कहा है कि भारत द्वारा प्राप्त किए गए परिणामों को दूसरी जगह पर भी अपनाया जा सकता है।

ईवाई इंडिया में जलवायु परिवर्तन और स्थिरता सेवाओं में पार्टनर सौनक साहा ने कहा कि ग्रीन टेक्नोलॉजी के लिए पहल को बढ़ाना होगा, साथ ही कार्बन उत्सर्जन के लिए सख्त नियम बनाने होंगे। इसके साथ ही स्थिरता प्रदान करने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की फंडिंग को बढ़ाना होगा।

साहा का कहना है कि हमें अपने एनर्जी और ट्रांसपोर्ट सेक्टर को डेकार्बोनाइज करना होगा। इससे हमें अन्य सेक्टर को डीकार्बनाइजेशन करने में मदद मिलेगी। इससे भारत को जलवायु को लेकर किए गए अपने वादे को पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही स्थिरता के साथ विकास में स्वयं को एक लीडर के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

सरकारी डेटा के मुताबिक, भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 के बीच 18.48 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है, जो कि इससे पिछले वर्ष जोड़ी गई क्षमता 15.27 गीगावाट से 21 प्रतिशत अधिक है।

क्रेड्यूस के संस्थापक शैलेन्द्र सिंह राव ने कहा कि बजट से उम्मीद है कि क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स जैसे सोलर, विंड, ई-मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन को पर्याप्त फंडिंग मिलेगी।

जानकारों का मानना है कि रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स विशेषकर बैटरी स्टोरेज सॉल्यूशंस की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए बजट के सपोर्ट की आवश्यकता है।

स्मार्ट सिटी मिशन के लिए आक्रामक तौर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर अपनाने की जरूरत है, जिसमें शहरी वन, ग्रीन रूफ और स्थिर सार्वजनिक परिवहन शामिल है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार बोले: विकसित भारत की चुनौती से निपटने के लिए घरेलू विकास जरूरी; नीतियां व्यावहारिक हों

नई दिल्ली।
मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। उनके अनुसार, ठहराव के बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद की है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के अनुसार, ठहराव बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद की है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के अनुसार, ठहराव के बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने भविष्यवाणी की है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करेगा। इसके अतिरिक्त, औद्योगिक विकास में भी व्यापक आधार पर तेजी की उम्मीद है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने कहा है कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं ने मई 2024 तक महत्वपूर्ण परिणाम दिया है। ये योजनाएं गति प्राप्त कर रही हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त प्रगति दिखा रही हैं। इसके तहत 1.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश दर्ज किया गया है। नागेश्वरन ने कहा कि इस आर्थिक सर्वे की थीम ऑल हैंन्ड्स ऑन टेबल है।

रुपये के कमजोर होने पर मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने कहा कि देश के बहुत कम बाहरी ऋण अनुपात के कारण कमजोर मुद्रा भारत को ज्यादा प्रभावित नहीं करती है। सीईए ने कहा कि विकसित भारत की चुनौतियों से निपटने के लिए घरेलू विकास बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) यह भी कहा कि राजकोषीय घाटे के कम होने से निवेश-उन्मुख दृष्टिकोण का पता चलता है।

विप्रो के तिमाही नतीजों के बाद निवेशकों को हुआ नुकसान, शेयर में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली। (2024) में पेश होने वाले बजट से पहले आज शेयर मार्केट लाल निशान पर कारोबार कर रहा है। आज आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी विप्रो के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। विप्रो ने पिछले चालू वित्त वर्ष की पहली तिमही के नतीजे जारी कर दिये थे। कंपनी द्वारा जारी तिमाही नतीजों का असर आज कंपनी के शेयर पर देखने को मिला । आज सुबह के शुरुआती कारोबार से ही कंपनी के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। विप्रो शेयर का हाल विप्रो के शेयर आज 9 फीसदी तक गिर गए। यह गिरावट मिली-जुली तिमाही नतीजों के बाद आई है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 8.79 फीसदी गिरकर 508.25 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 8.79 फीसदी की गिरावट के साथ 508.20 प्रति शेयर पर पहुंच गया। खबर लिखते वक्त विप्रो के शेयर 44.85 रुपये या 8.05 फीसदी की गिरावट के साथ 512.35 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहा था। एनएसई निफ्टी फर्म में कंपनी के शेयर टॉप लूजर है। शेयरों में आई गिरावट के बाद बीएसई की वेबसाइट के अनुसार विप्रो का एम-कैप 2,67,617.23 करोड़ रुपये है। विप्रो का तिमाही नतीजा विप्रो ने अपने तिमाही नतीजे में बताया था कि कंपनी के नेट प्रॉफिट में 4.6 फीसदी की तेजी आई। कंपनी को जून तिमाही में कुल 3,003.2 करोड़ रुपये का कुल मुनाफा हुआ है। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू भी 3.8 फीसदी गिरकर 21,963.8 करोड़ रुपये हो गया।

पेरिस में दूसरे देशों के लिए चमक बिखेरेंगे भारतीय मूल के ये खिलाड़ी, इनमें से एक महज 19 साल की

पेरिस ।

पेरिस ओलंपिक को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त रह गया है। 26 जुलाई को शुरू हो रहे इस बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 206 राष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के 10, 500 से भी ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। इसके लिए पेरिस में पूरी तैयारी हो चुकी है। भारतीय एथलीट्स समेत कई अन्य देशों के एथलीट भी पेरिस के खेल गांव पहुंचना शुरू कर चुके हैं। हालांकि, पेरिस ओलंपिक में भारत सिर्फ भारतीय दल तक सीमित नहीं होगा बल्कि भारतीय मूल के कई खिलाड़ी दूसरे देशों के लिए भी अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे। इनमें से एक एथलीट तो महज 19 साल की है।

राजीव राम (टेनिस, अमेरिका) - इस सूची में सबसे जाने माने खिलाड़ी। अमेरिका के डेनवर में जन्मे 40 वर्ष के राजीव के माता पिता बेंगलुरू के रहने वाले थे। राजीव के पिता बोटेनिस्ट थे जिनका 2019 में कैंसर से निधन हो गया। वहीं उनकी मां सुषमा वैज्ञानिक तकनीशियन हैं।

राम ने एक बार कहा था, मुझे अपनी भारतीय विरासत पर गर्व है। टेनिस में बहुत ज्यादा भारतीय नहीं हैं। हम एक समूह के रूप में जो भी कामयाबी अर्जित करेंगे, उससे आने वाली पीढी को प्रेरणा मिलेगी। अमेरिका के लिए खेलते हुए राजीव ने चार पुरुष युगल और एक मिश्रित युगल ग्रैंडस्लैम जीता है। उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में वीनस विलियम्स के साथ मिश्रित युगल खेला था। इस बार वह पुरुष युगल में भाग लेंगे।

प्रिथिका पावड़े (टेबल टेनिस, फ्रांस) - प्रिथिका के पिता का जन्म पुडुच्चेरी में हुआ था। वह 2003 में शादी के बाद पेरिस जा बसे और एक साल बाद यानी 2004 में प्रिथिका का जन्म हुआ। जब वह छह साल की थीं तो खुद टेबल टेनिस खिलाड़ी रहे उनके पिता ने उन्हें इस खेल से रूबरू कराया। प्रिथिका ने 16 वर्ष की उम्र में तोक्यो में पहला ओलंपिक खेला था। रसायन और पर्यावरण विज्ञान की छात्रा 19 वर्ष की प्रिथिका महिला एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल में खेलती दिखेंगी।

कनक झा (टेबल टेनिस , अमेरिका) - भारतीय मूल के एक और खिलाड़ी कनक झा अमेरिका के लिए खेलेंगे। झा की मां करूणा मुंबई से और पिता अरूण कोलकाता और प्रयागराज से हैं। दोनों आईटी प्रोफेशनल हैं। झा ने कैलिफोर्निया में भारतीय समुदाय केंद्र से टेबल टेनिस खेलना शुरू किया। झा की मां ने उन्हें हिन्दी और जैन धर्म सीखने के लिये जैनशाला और हिंदशाला में डाला।

न्यूज ब्रीफ

टोक्यो जैसी गलती नहीं करूंगी, टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने बताई रणनीति

नई दिल्ली । टेबल टेनिस उन खेलों में शामिल है जिसमे भारत को पहले ओलंपिक पदक की आशा है। महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के पास ओलंपिक खेलों में शामिल होने का अनुभव है, लेकिन उन्होंने टोक्यो में प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया था। मनिका का कहना है कि वह पेरिस खेलों में टोक्यो वाली गलती नहीं करेंगी और एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगी। भारत पेरिस में टेबल टेनिस की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेगा। भारतीय महिला टीम को पेरिस ओलंपिक में जगह दिलाने में मनिका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह पहला अवसर है जब भारतीय टेबल टेनिस टीम ने ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। टोक्यो ओलंपिक से काफी सीखा है मनिका ने साथ ही कहा कि शुरुआती दौर में पदक जीतना उनके दिमाग में नहीं होगा। अपने साथियों के साथ पेरिस ओलंपिक की तैयारी में लगीं बत्रा ने टोक्यो ओलंपिक के अनुभव से काफी कुछ सीखा है। मनिका ने कहा, पिछले ओलंपिक खेलों से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला और मैंने जो गलतियां वहां की थी उनको इस बार नहीं दोहराऊंगी। उसके बाद मेरी मानसिकता बदली है। मैं अधिक शांत हो गई हूं और मेरा खुद पर भरोसा बढ़ गया है। मैं अपने दमखम और फुर्ती पर ध्यान दे रही हूं और मेरा वास्तविक लक्ष्य पदक के लिए चुनौती पेश करना है। लेकिन मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ूंगी। मैं उस मुकाम पर पहुंचने की कोशिश कर रही हूं जहां मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं। बत्रा ने कहा, मैं मैच दर मैच आगे बढ़ूंगी और शुरू में ही पदक के बारे में नहीं सोचूंगी। मैं अपने देश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहूंगी। भारत ने पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया, यह बड़ी उपलब्धि है। मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि हम शिविर में एक साथ अभ्यास कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हमारे पास पदक जीतने का मौका है और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए।

दूसरा टेस्ट- इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 241 रनों से हराया: 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त ली; रूट और ब्रूक के शतक, शोएब बशीर को 5 विकेट

नॉटिंघम। इंग्लैंड ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 241 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ इंग्लिश टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी हासिल कर ली है। तीसरा और आखिरी मुकाबला बर्मिंघम में 26 जुलाई से खेला जाएगा। इंग्लैंड पहला टेस्ट मैच पारी और 114 रन से जीता था। 5 दिनी मुकाबले के चौथे दिन 385 रन का टारगेट चेज कर रही वेस्टइंडीज की टीम 143 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए, जबकि जेसन होल्डर ने 37 रनों की पारी खेली। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके। इंग्लैंड के शोएब बशीर ने 5 विकेट लिए। क्रिस वोक्स और गॉस एटकिंसन को 2-2 विकेट मिले। रूट-ब्रूक के शतक से इंग्लैंड का स्कोर 400 पार इंग्लैंड ने दूसरी पारी में जो रूट (122 रन) और हैरी ब्रूक (109 रन) के सहारे 425 रन बनाए और वेस्टइंडीज को जीत के लिए 385 रन टारगेट दिया।

रुतुराज की उपेक्षा पर भड़के पूर्व क्रिकेटर बद्रीनाथ

नई दिल्ली । रुतुराज गायकवाड़ को श्रीलंका दौरे से बाहर करने का मामला बढ़ता जा रहा हे अब पूर्व क्रिकेटर एस बद्रीनाथ ने चयनकर्ताओं के इस फैसले पर सवाल उठाये हैं। बद्रीनाथ ने कहा है कि जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन के बाद भी इस बल्लेबाज को टीम में जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। इसके अलावा रिंकू सिंह को भी एकदिवसीय टीम में जगह नहीं दिया जाना गलत है। चयनकर्ताओं ने श्रीलंका दौरे के लिए रुतुराज टी20 और एकदिवसीय किसी भी प्रारुप में जगह नहीं दी है जबकि रिंकू को केवल टी20 में ही रखा है। बद्रीनाथ ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा कर कहा कि क्रिकेटरों को भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए असाधारण प्रदर्शन से ज्यादा की जरूरत हो सकती है।

ओलंपिक इतिहास के वो 10 वर्ल्ड रिकॉर्ड, जिनका टूटना मुश्किल

मुंबई।

पेरिस ओलंपिक के साथ खेलों का महाकुंभ 26 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। भारत के 117 खिलाड़ी भी ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत के साथ, उन ओलंपिक रिकॉर्ड पर भी नजर रहेगी, जिनका टूटना बहुत मुश्किल है। ओलंपिक के ऐसे ही 10 रिकॉर्ड पर नजर डालते हैं। वेनेजुएला की युलिमार रोजास ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में महिला ट्रिपल जंप प्रतियोगिता में 15.67 मीटर की जंप लगाकर ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने रियो में सिल्वर मेडल जीता था।

टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने तीन दशकों से कायम वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। नॉर्वे के तेज दौड़ धावक कार्स्टन वारहोम ने भी टोक्यो ओलंपिक में पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता में 45.64 सेकंड का समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। खास बात यह रही कि इस प्रतियोगिता में वारहोम का समय बाकी 18 प्रतिभागियों से काफी बेहतर था। टोक्यो ओलंपिक 2020 में अमेरिका की सिडनी मैकलॉघलिन-लेव्रोन ने भी 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता में 51.46 सेकंड समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। खास बात यह है कि सिडनी, ओलंपिक के बाद भी दो बार अपना रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में केन्या के मध्यम दूरी के धावक डेविड रुडिशा ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:40.91 (1 मिनट 41 सेकंड) समय निकाल वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। यह प्रदर्शन आज तक बेजोड़ है। लंदन ओलंपिक 2012 में जमैका की टीम ने 4म100 मीटर रिले दौड़ में 36.84 सेकंड का समय निकालकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उसैन बोल्ट इस चैंपियन टीम का हिस्सा थे। अमेरिका की फ्लोरेंस ग्रिफ़िथ जॉयनर उर्फ फ्लो-जो ने 1988 में सियोल में हुए ओलंपिक गेम्स में 200 मीटर रेस में जो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, वह आज तक टूट नहीं सका है। फ्लो-जो ने 200 मीटर रेस में 21.34 सेकंड का समय निकाल इतिहास रच दिया था। अमेरिकी तैराक माइकल फेल्प्स ओलंपिक के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में एक हैं। उनको सबसे महान ओलंपियन भी माना जाता है। उन्होंने बीजिंग ओलंपिक (2008) में इतिहास रच दिया, जब एक ही एथलीट के तौर पर सबसे ज्यादा पदक जीते।

माइकल फेल्प्स का रिकॉर्ड आज भी कायम

माइकल फेल्प्स ने इस खेलकुंभ में भाग ली गई सभी आठ स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने इनमें से सात स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिए। जमैका के उसैन बोल्ट भी सर्वकालिक महान ओलंपिक खिलाड़ियों में एक हैं, जिन्होंने बीजिंग ओलंपिक में पुरुष 100 मीटर दौड़ में 9.69 सेकंड का समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। बोल्ट इस रेस में इतना आगे निकल गए थे, कि लाइन पार करने से पहले से जश्न मनाने लगे थे। बोल्ट ने बाद में 2009 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

अमेरिका के लंबी कूद खिलाड़ी बॉब बीमॉन ने 1968 में मैक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक गेम्स में 8.90 मीटर (29.2 फीट) की छलांग लगाते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। इस जंप ने उनको न केवल गोल्ड मेडल दिलाया, बल्कि वह तत्कालीन रिकॉर्ड से भी दो फीट आगे निकल गए थे। बीमॉन के इस रिकॉर्ड के नजदीक अब तक कोई नहीं पहुंच सका है। अमेरिका के तैराक कैलेब ड्रेसेल ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में पुरुषों की 100 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में 49.45 सेकंड का समय निकाल वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने पिछला वर्ल्ड रिकॉर्ड 0.05 सेकंड के समय से तोड़ दिया।

विराट और रोहित खेल सकते हैं वनडे विश्व कप 2027 : गंभीर

मुंबई।

भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर ने श्रीलंका दौरे पर रवाना होने से पहले अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई बयान दिए हैं। उन्होंने वनडे विश्व कप 2027 के लिए कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन किया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

गंभीर ने कहा कि उन दोनों में अभी बहुत क्रिकेट बाकी है और अगर वे अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं तो वे अगले वनडे विश्व कप में खेल सकते हैं।

रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में जीत के बाद टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। हालांकि, दोनों खिलाड़ी खेल के अन्य प्रारूपों में खेलना जारी रखेंगे।

गंभीर को लगता है कि बड़े टूर्नामेंटों में प्रदर्शन करने की रोहित और विराट की क्षमता आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे और अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में देश के लिए महत्वपूर्ण होगी। गंभीर ने पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने दिखा दिया है कि वे बड़े मंच पर क्या कर सकते हैं। चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 50 ओवर का विश्व कप, एक बात जो मैं बहुत स्पष्ट रूप से कह सकता हूं वह यह है कि उन दोनों खिलाड़ियों में बहुत क्रिकेट बाकी है। अगर वे अपनी फिटनेस बनाए रख सकते हैं, तो 2027 वनडे विश्व कप भी खेल सकते हैं। लेकिन यह एक बहुत ही व्यक्तिगत निर्णय है। 2027 का वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। रोहित ने पिछले साल बहुत करीब पहुंचने के बावजूद वनडे विश्व कप गंवाया। वह 2011 के वनडे विश्व कप विजेता टीम में शामिल नहीं थे। जबकि कोहली टीम का हिस्सा थे और उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में महत्वपूर्ण पारी भी खेली थी।

लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़कर आरसीबी में जा सकते हैं राहुल

मुम्बई ।

आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली।

राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम । टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है। 40 वर्षीय फाफ ज्यादा समय तक फ्रेंचाइजी का साथ नहीं सकते हैं। राहुल पहले भी टीम में रहे है जिससे प्रबंधन उनके बारे में अच्छी प्रकार से जानता है।

गंभीर , अगरकर ने मीडिया से बात कर दिये सवालों के जवाब

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयनसमिति के प्रमख अजीत अगरकर ने मीडिया से बात की। गंभीर कोच बनने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आये। इस दौरान उनसे कई कठिन सवालों का जवाब मांगा गया जैसे हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को क्यों टी20 कप्तानी दी गयी, रुतुराज गायकवाड़ संजू सैमसन व अभिषेक शर्मा को जिम्बाब्वे में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह क्यों नहीं मिली। इसके अलावा भी कई अन्य सवाल दागे गये जिनका गंभीर ओर अगरकर ने जवाब दिया।

इस दौरान कोच गंभीर ने खिलाड़ियों से संबंध को लेकर कहा कि हमारा सभी से एक बराबर रिश्ता है। साथ ही कहा कि ये प्रदर्शन के आधार पर तय होता है न कि निजी संबंधों के आधार पर। साथ ही कहा कि हमारा लक्ष्य टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिये जाने को लेकर कहा कि उनपर काफी बोझ है जिसको कम करना जरुरी है क्योंकि वह तेज गेंदबाज हैं। इसलिए उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिय गया है।

चयनसमिति के प्रमुख अगरकर ने हार्दिक को लेकर पूछे गये सवाल को लेकर कहा कि उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी इसलिए नहीं दी गयी क्योंकि वह बार बार चोटिल होते रहते हैं। वहीं हम चाहते थे कि कप्तान फिट रहे जिससे वह हर मैच खेल सके। यही कारण है कि सूर्यकुमार को कप्तानी दी गयी। इसके अलावा वह टी20 का नंबर एक बल्लेबाज भी है। सभी चाहते हैं कि कप्तान हर मैच में उपलब्ध रहे।

वहीं रुतुराज सहित कुछ खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिलने को लेकर

अगरकर ने कहा कि हर किसी को टीम में नहीं ले सकते हैं। 15 खिलाड़ियों की टीम को हम संतुलित करना चाहते थे। ऐसा नहीं है कि जो बाहर है उन्हें फिर अवसर नहीं मिलेगा। साथ ही कहा कि कोई जिम्बाब्वे गया और अच्छे फॉर्म में है तो ये अच्छे संकेत हैं पर अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी पर किसी को तो बाहर रहना ही पड़ता है। रविंद्र जडेजा को एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिलने को कहा कि उन्हें आराम दिया गया है और आने वाले समय में वह टीम में रहेंगे।

अगरकर ने शुभमन गिल को श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम के उपकप्तान बनाए जाने पर कहा कि वह तीनों प्रारुपों का खिलाड़ी है। जिम्बाब्वे दौरे में उसकी नेतृत्व क्षमता भी देखने में आई है।

भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने किया संन्यास का एलान

नई दिल्ली ।

श्रीजेश भारत के लिए अब तक 328 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इसके अलावा वह कई राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप में भी हिस्सा ले चुके हैं। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर और कप्तान पीआर श्रीजेश ने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पेरिस ओलंपिक उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय दौरा होगा। 36 साल के श्रीजेश का यह चौथा ओलंपिक है। उनकी कप्तानी में भारत ने 2016 रियो ओलंपिक में हिस्सा लिया था और टीम आठवें स्थान पर रही थी। हालांकि, उन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम के साथ ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था।

श्रीजेश भारत के लिए 328 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इसके अलावा वह कई राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप में भी हिस्सा ले चुके हैं।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी। हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में श्रीजेश ने कहा, जैसा कि मैं पेरिस में अपने आखिरी टूर्नामेंट की तैयारी कर रहा हूं, मैं बहुत गर्व के साथ पीछे मुड़कर अपने करियर को देखता हूं और आशा की किरणों के साथ आगे बढ़ता हूं।

उन्होंने कहा, यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है और मैं अपने परिवार, टीम के साथियों, कोच, फैंस और हॉकी इंडिया के प्यार और समर्थन के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मेरे टीम के साथी कठिन समय में मेरे साथ खड़े रहे हैं। हम सभी यहां पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और निश्चित रूप से इच्छा हमारे पदक का रंग बदलने की है।

2010 विश्व कप में डेब्यू करने के बाद श्रीजेश भारत के लिए कई यादगार जीत का हिस्सा रहे हैं, जिसमें 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण और जकार्ता-पालेमबांग में 2018 एशियाड में कांस्य पदक शामिल है। वह 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की संयुक्त विजेता टीम के अलावा, भुवनेश्वर में 2019 एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल चैंपियन टीम में भी थे। इसके अलावा वह 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक और 2023 एशियाई चैंपियन ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। 2022 एशियाई खेलों में उन्होंने भारत को स्वर्ण जीतने में मदद की थी।

श्रीजेश को 2021 में खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। वहीं, 2022 में वह साल 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुने गए थे। श्रीजेश ने अपनी गर्लफ्रेंड अनीषया से शादी की थी, जो कि एक लॉन्ग जंपर और आयुर्वेद डॉक्टर भी हैं। इस कपल की एक बेटी (अनुश्री) और एक बेटा भी है। श्रीजेश 2016 में सरदार सिंह को रिप्लेस कर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान बने थे। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने अपनी गोलकीपिंग से भारत को 41 साल बाद पुरुष हॉकी में ओलंपिक पदक जिताने में मदद की थी।

आपके रेजर से हो सकते हैं ये संक्रमण और इनसे ऐसे बचें

आपके रेजर से हो सकते हैं कई संक्रमण और इनसे बचाव जरूरी है। आजकल क्लीन शेव बॉडी रखने का चलन है और क्लीन शेव बॉडी पाने के लिए रेजर आसानी से उपलब्ध हैं और यह साधारण तरीके से इस्तेमाल होने वाला सबसे पसंदीदा विकल्प है। हालांकि रेजर से बॉडी को सही तरीके से शेव करना बहुत ही सरल है, लेकिन सही रेजर का उपयोग न करने से आप कई प्रकार के इंफेक्शन की चपेट में आ सकते हैं। अगर आप भी इंफेक्शन के कारण और इससे बचने के उपाय जानना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल को जरूर पढ़ें!

व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, स्वस्थ रहने की कुंजी है। और जब बात आती है रेजर तो सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। क्योंकि हेपेटाइटिस से संक्रमित व्यक्ति के साथ इसे शेयर करने से, इस समस्या का खतरा आपमें और भी बढ़ जाता है। इसलिए रेजर को किसी से भी शेयर न करें और इसे इस्तेमाल करने से पहले और बाद में इसे गर्म पानी से अच्छे से धो लें।

रेजर को शेयर करने और इस्तेमाल के बाद कीटाणुनाशक का उपयोग न करने से आपमें बैक्टीरियल इंफेक्शन को खतरा बहुत अधिक बढ़ जाता है, इसमें स्टाफीलोकोकस इंफेक्शन सबसे आम है। स्किन इंफेक्शन, यह आमतौर पर रेजर के गलत इस्तेमाल से दर्दनाक रैशेज और छाले के रूप में प्रकट होते हैं। इसलिए शेविंग करते समय सावधान रहना चाहिए और रेजर को शेयर करने और गंदे रेजर के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

रेजर के गीला रहने या उपयोग के बाद ठीक से साफ न करने पर उसमें सूक्ष्म कीटाणुओं को गढ़ बन जाता है। और इससे फंगल या यीस्ट इंफेक्शन होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इसके अलावा, गंदा रेजर इस्तेमाल करने से फलिक्यलाइटिस और रिगवार्म इंफेक्शन भी हो सकता है। इसलिए फंगल इंफेक्शन से बचने के लिए हर बार इस्तेमाल के बाद इसे अच्छे से साफ करें और सुखाये। ऐसा न करने पर आप भी आम संक्रमण के अलावा विभिन्न बैक्टीरियल और वायरल इंफेक्शन की चपेट में आ सकते हैं।

मिलने लगेंगे कृत्रिम अग्नाशय !

वैज्ञानिकों का कहना है कि मधुमेह के रोगियों के रक्त में ग्लूकोज का निरीक्षण करने वाले और शरीर में प्रवेश करने वाले इंसुलिन का स्तर सही करने वाले कृत्रिम अग्नाशय 2018 तक उपलब्ध हो सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि फिलहाल जो प्रौद्योगिकी उपलब्ध है, वह ग्लूकोज मीटर से रीडिंग लेने के बाद मधुमेह के रोगियों में इंसुलिन पहुंचाने का काम करती है लेकिन ये दोनों घटक अलग-अलग होते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि दोनों हिस्सों को आपस में जोड़ देने से एक 'बंद कुंडली' बन जाती है, जिससे कृत्रिम अग्नाशय बनते हैं। इन कृत्रिम अग्न्याशय को उपलब्ध करवाने की असल समयसीमा नियामक एजेंसियों से मंजूरी पर निर्भर करती है। इस समय यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन प्रस्तावित कृत्रिम अग्नाश्यों की समीक्षा कर रहा है और इसके लिए वर्ष 2017 तक मंजूरी मिलने की संभावना है। यूके नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च की ओर से की गई हालिया समीक्षा में कहा गया कि बंद कुंडली वाली प्रणालियां वर्ष 2018 के अंत तक यूरोपीय बाज़ार में आ सकती हैं । शोधकर्ताओं ने कहा कि इनमें से कई परीक्षणों ने ग्लूकोज नियंत्रण में मौजूदा प्रौद्योगिकियों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

जेडटीई एक्सॉन 7 मिनी...

जेडटीई ने आईएफए 2016 में एक्सॉन सीरीज का अपना नया स्मार्टफोन एक्सॉन 7 मिनी लॉन्च कर दिया। इस स्मार्टफोन की कीमत 300 यूरो यानी करीब 22,400 रुपए है और यह इसी महीने से यूरोप व रूस में उपलब्ध होगा। इसके अलावा इस स्मार्टफोन के भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और सऊदी अरब पहुंचने की बात कही गई है। अमेरिका में इसकी कीमत 400 डॉलर यानी करीब 26,700 रुपए होगी और यह प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। यह गोल्ड व ग्रे कलर वेरिएंट में मिलेगा। डुअल सिम सपोर्ट वाला जेडटीई एक्सॉन 7 मिनी एंड्रॉयड 6.0.1 मार्शमैलो पर चलता है। इस फोन में 5.2 इंच फुल एचडी एमोलेड डिस्प्ले है।

व्हाट्सऐप से लोग नाखुश...

जब से व्हाट्सऐप के फेसबुक के साथ डेटा शेयर करने की खबर आई है दुनियाभर के मीडिया में खलबली मच गई है। वास्तव में व्हाट्सऐप के फेसबुक के साथ डेटा शेयर करने से कई लोग नाखुश हैं। जैसे जैसे ऑनलाइन कंपनियों की पकड़ आम लोगों की जिंदगी में बढ़ती जा रही है, प्राइवेसी की गुहार लगाने वालों का कहना है कि लोगों के बारे में कंपनियों के पास कभी कभी जरुरत से ज्यादा जानकारी पहुंच रही है। ऐसे में लोगों का कहना है कि वे व्हाट्सऐप की जगह दूसरी कोई चैट सर्विस को इस्तेमाल करना शुरू कर देंगे और कई ऐसे ऐप्स हैं जो लोगों को व्हाट्सऐप से बेहतर लग सकते हैं।

व्हाट्सऐप के फेसबुक के साथ डेटा शेयर करने से कई लोग नाखुश हैं। कुछ लोगों ने अपने ऑनलाइन पोस्ट में यह भी कहा है कि वे दूसरा कोई चैट सर्विस को इस्तेमाल करना शुरू कर देंगे। वास्तव में जब से फेसबुक और व्हाट्सऐप के एक दूसरे से अपना डेटा शेयर करने की खबर आई है दुनियाभर के मीडिया में खलबली मच गई है। फेसबुक की दलील है कि इससे आपको जो दोस्त बनाने के सुझाव मिलते हैं उन्हें और बेहतर बनाया जा सकेगा। इससे विज्ञापन दिखाने में भी उसे आसानी होगी और हो सकता है आपके मतलब के विज्ञापन वो दिखा पाएगा। इस बदलाव के बाद व्हाट्सऐप अब लोगों की जगह कंपनियों से पैसे लेकर पैसे बनाने की कोशिश कर रहा है।

फेसबुक ने व्हाट्सऐप को 2014 में 19 बिलियन डॉलर यानी करीब सवा लाख करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा में खरीदा था। फेसबुक के खरीदने के बाद व्हाट्सऐप के प्रमुख यान कूम ने अपने ब्लॉग में लिखा था कि कुछ डेटा फेसबुक के साथ शेयर किया जाएगा। फेसबुक अब चाहता है कि वो ऐसे तरीके ढूंढें जिससे कंपनियां व्हाट्सऐप इस्तेमाल करके अपने ग्राहकों तक पहुंच सकती हैं। हो सकता है बैंक अपने ग्राहकों को किसी फ्रॉड ट्रांजेक्शन के बारे में पहले से ही बताएं या फिर कोई एयरलाइन अपनी लेट हो रही फ्लाइट के बारे में बताए।

ऐसा करने के लिए व्हाट्सऐप को अपनी प्राइवेसी पॉलिसी में बदलाव करना पड़ेगा। लेकिन अगर बैंक आपके मैसेज व्हाट्सएप्प के जरिए भेजेगा तो यह बात साफ है कि फेसबुक को आपके बैंक के बैलेंस और बैंक बैलेंस के अलावा दूसरी जानकारी भी मिल जाएगी।

सभी लोग तैयार नहीं

व्हाट्सऐप के फेसबुक के साथ डेटा शेयर करने से कुछ लोग नाखुश हैं। आम लोगों के बारे में जिस तरह की जानकारी फेसबुक इकट्ठा कर रहा है उसे देखते हुए इसके लिए सभी लोग तैयार नहीं हैं। जैसे जैसे ऑनलाइन कंपनियों की पकड़ आम लोगों की जिंदगी में बढ़ती जा रही है, प्राइवेसी की गुहार लगाने वालों का कहना है कि लोगों के बारे में कंपनियों के पास कभी कभी जरुरत से ज्यादा जानकारी पहुंच रही है। ब्राजील में व्हाट्सऐप को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था लेकिन फिर सर्विस शुरू कर दी गई। हालांकि एक बात फेसबुक ने साफ की है कि लोगों को अपने व्हाट्सऐप पर विज्ञापन देखने को नहीं मिलेंगे। उसने यह भी साफ किया है कि लोगों के फोन नंबर किसी भी कंपनी को नहीं दिए जाएंगे।

कुछ-कुछ देशों में अब भी लोगों में सबसे पसंदीदा मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप नहीं है। वाइबर ऑस्ट्रेलिया में काफी पसंद किया जाता है। चीन में वीचैट सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। कई बार वीचैट को स्काइप और व्हाट्सऐप का मिला जुला स्वरूप कहा जाता है और जापान में सबसे लोकप्रिय लाइन है। इतने सारे मैसेजिंग के विकल्प पर कैसे अपने सभी दोस्तों के साथ आप कनेक्ट कर सकते हैं? इसके एक नहीं बल्कि कई विकल्प हैं। बस, इनमें से एक चुन लीजिए और कई चैट मैसेंजर में से एक या उससे ज्यादा इस्तेमाल कर लीजिए।

वीचैट एक मुफ्त, ऑल-इन-वन मैसेजिंग ऐप्लिकेशन है। आपके चहेते दुनिया के किसी भी कोने में हों उन्हें आप इसकी मदद से कॉल कर सकते हैं, टेक्स्ट मैसेज भेज सकते हैं। आप इस ऐप की मदद से स्टैंडर्ड और मल्टीमीडिया मैसेज भी भेज सकते हैं। इससे वॉयस और वीडियो कॉल कर सकते हैं, फोटो शेयर कर सकते हैं। और यहां तक कि गेम भी खेल सकते हैं।

व्हाट्सऐप के कॉल सिर्फ व्हाट्सऐप के दूसरे नंबर पर किए जा सकते हैं लेकिन वीचैट का इस्तेमाल कर कुछ इलाकों में लैंडलाइन और मोबाइल फोन पर भी कॉल कर सकते हैं। व्हाट्सऐप पर फिलहाल विडियो कॉल नहीं कर सकते हैं पर वीचैट पर ये फीचर है। अगर इंटरनेट कनेक्शन बहुत धीमा है तब भी यह काम करेगा क्योंकि यह बहुत कम डेटा इस्तेमाल करता है। व्हाट्सऐप पर कोई भी ग्रुप 50 लोगों से बड़ा नहीं हो सकता है लेकिन वीचैट पर ऐसी सीमा नहीं है। एक मजेदार फीचर यह है कि नौ लोग एक साथ विडियो कॉल में हिस्सा ले सकते हैं। दुनियाभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग वीचैट इस्तेमाल करते हैं। इस ऐप के कई फीचर्स में से एक फीचर है इसके ऑनलाइन प्लेटफार्म पर हुए कनर्सेशन का बैकअप रखने की काबिलियत। इससे आप अपनी उन मेमोरीज या मैसेज को बिना अपने फोन की मेमोरी का इस्तेमाल करते हुए सेव कर सकते हैं जो आपके लिए प्रिय हैं। यह ट्यूटोरियल आपको बताएगा कि आप अपने वीचैट कनवर्सेशन का आर्चिव कैसे तैयार कर सकते हैं।

हाइक ने आजकल मेसेजिंग के बाजार में धूम मचा रखी है। इसमें जो भी मैसेज स्मार्टफोन पर आता है उसके लिए पासवर्ड देकर उसे दूसरों की नजरों से दूर रख सकते हैं। अपने किसी भी फाइल को हाइक पर दोस्तों के साथ शेयर कर सकते हैं लेकिन ये फाइल 100 मेगाबाइट से बड़े नहीं हो सकते हैं। और अगर किसी दोस्त को मैसेज करना चाहते हैं और हाइक पर वो ऑनलाइन नहीं है तो हाइक आपके लिए वो मैसेज, बिना किसी पैसे के, एसएमएस के रूप में भेज देगा। जब दोस्त का जवाब आएगा तो वो हाइक पर मैसेज के रूप में आ जाएगा। हाल ही में हाइक ने 10 करोड़ सब्सक्राइबर का आंकड़ा पर कर लिया है।

दुनियाभर में 60 करोड़ लोग से ज्यादा लाइन इस्तेमाल करते हैं। फ्री वॉइस और वीडियो कॉल, मैसेज और तरह तरह के स्टिकर जो किसी के मन की बात कह सकते हैं, यहां सब कुछ मिलता है। कई लोग परिवार या दोस्तों के बीच कांस कॉन्फ्रेंस के लिए लाइन का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि यहां 200 लोग तक एक साथ ऐसे कॉल कर सकते हैं। इसके फीचर को स्मार्टफोन या कंप्यूटर दोनों पर इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर कुछ पैसे खर्च करने को तैयार हैं तो दुनिया के कई देशों में लैंडलाइन और मोबाइल पर भी कॉल कर सकते हैं।

अगर आप ऑल इन वन इस्तेमाल करने को तैयार हैं तो कई मैसेंजर पर लॉग इन करने के बजाय आप सिर्फ एक से काम कर सकते हैं। क्रोम ब्राउजर इस्तेमाल करने वालों के लिए यह काफी काम की चीज है। एक बार आपने स्मार्टफोन या टैबलेट पर यह एक्सटेंशन डाउनलोड कर लिया उसके बाद 29 में से एक या सभी सर्विस को चुन कर उनके नोटिफिकेशन आपके डिवाइस पर मिल सकती हैं।

फ्रैंन्ज भी कुछ ऑल इन वन जैसी ही सर्विस है और यह विंडोज, एप्पल और लिनक्स इस्तेमाल करने वालों में से कोई भी इस्तेमाल कर सकता है। दिखने में यह ऑल इन वन की तरह ही है। इसमें एक बढ़िया फीचर है कि किस चैट सर्विस पर नोटिफिकेशन चाहिए उसे आप चुन सकते हैं। अपने लैपटॉप या डेस्कटॉप पर रैमबॉक्स डाउनलोड करने के बाद 44 तरह के मैसेजिंग सर्विस का फायदा उठा सकते हैं। इसका लेआउट ऐसा है कि एक ही जगह सभी सर्विस आपको दिखाई दे जाएंगी और जो भी चैट सर्विस अपने चुनी है उसे आप यहां एक ही बार में देख सकते हैं।

इतना आसान भी नहीं

व्हाट्सऐप के फेसबुक के साथ डेटा शेयर करने से नाखुश लोगों का कहना है कि वे दूसरी कोई चैट सर्विस को इस्तेमाल करना शुरू कर देंगे। कुछ लोगों ने अपने ऑनलाइन पोस्ट में यह भी कहा है कि लेकिन शायद यह करना बहुत आसान नहीं हैं। अगर किसी के कई दोस्त व्हाट्सऐप पर हैं और वो सिग्नल नाम का चैट ऐप इस्तेमाल करना चाहेगा तो उसे कोई चैट करने वाला ही नहीं मिलेगा। इसलिए जानकार सलाह दे रहे हैं कि अगर व्हाट्सऐप छोड़ना है तो थोड़ा सोच समझकर फैसला कीजिए। व्हाट्सऐप को 2009 में शुरू किया गया था और जब 2014 में फेसबुक ने उसे खरीदा तो उस समय व्हाट्सऐप के 40 करोड़ सब्सक्राइबर थे और कंपनी में सिर्फ 55 लोग काम करते थे। पिछले दो सालों में कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव तो नहीं हुआ है लेकिन व्हाट्सऐप के अब 100 करोड़ से ज़्यादा सब्सक्राइबर हैं और यह दुनिया का सबसे बड़ा मैसेजिंग प्लेटफार्म है। व्हाट्सएप्प अब इतना बड़ा है कि पिछले साल एक महीने में लोगों के करीब 3000 करोड़ मैसेज भेजे जबकि उसी महीने दुनिया के सभी मोबाइल फोन नेटवर्क पर 2000 करोड़ एसएमएस भेजे गए थे। अगर फिर भी व्हाट्सऐप को अनइन्सटॉल करना है तो उसके कई विकल्प हैं जिनके बारे में आप यहां आप जान चुके हैं।

एसडी कार्ड करप्ट हो जाए तो...

कई बार फोन में लगा एसडी मेमोरी कार्ड करप्ट हो जाए, तो दिल बैठ जाता है। फोन के मेमोरी कार्ड में सालों से सुरक्षित पड़ा डाटा जो दांव पर लग जाता है। अपने स्मार्टफोन में अक्सर हम स्पेस बनाए रखने के लिए अपना जरूरी डाटा एसडी कार्ड में शिफ्ट कर देते हैं। कभी-कभी अचानक ये एसडी कार्ड हमें धोखा दे देते हैं। लेकिन, थोड़ी सी स्मार्टनेस बरती जाए, तो एसडी कार्ड का डाटा रिकवर किया जा सकता है।

सबसे पहले यह जान लें कि आपका एसडी मेमोरी कार्ड किस प्रकार का है। डाटा रिकवर करने के लिए उसका टाइप या फॉर्मेट पता होना जरूरी है। आमतौर पर मेमोरी कार्ड दो तरह के होते हैं- सामान्य और हाई कैपेसिटी। कई बार देखा गया है कि अगर कार्ड को कंप्यूटर से कनेक्ट कर स्कैन करें, तो मामला हल हो जाता है।

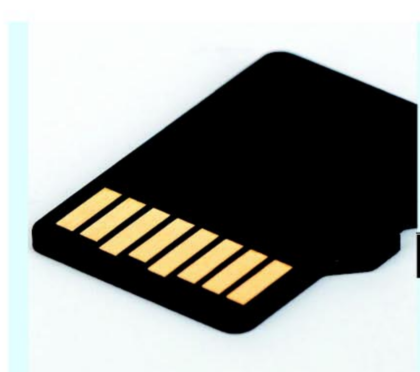

एसडी कार्ड को यूएसबी से कनेक्ट कर माई कंप्यूटर या फिर विंडो एक्सप्लोरर से एसडी कार्ड सर्च करें और एसडी कार्ड के आइकन पर राइट क्लिक करें। अब आपके सामने पॉपअप मेन्यू खुल जाएगा। अब प्रोपर्टीज ऑप्शन पर जाएं। यहां से आपके सामने एक नई विंडो ओपन होगी, जिसमें पाई चार्ट शो होगा। इसके बाद टूल टैब को सेलेक्ट करके एरर चेकिंग पर क्लिक करें और अब फिक्सिंग फाइल सिस्टम एरर के चेक बॉक्स पर क्लिक कर दें।

ड्राइव लेटर असाइन

इस बात का ध्यान रखें कि कंप्यूटर एसडी कार्ड को तब तक रीड नहीं करेगा, जब तक रीडर को कोई ड्राइव लेटर असाइन नहीं किया जाएगा। कई बार कंप्यूटर रीडर में एक ड्राइव लेटर असाइन हो जाता है, लेकिन जब उस पर क्लिक किया जाता है, तो ड्राइव ई-इंसर्ट करने का निर्देश मिलता है। इसका मतलब है कि कार्ड रीड नहीं हो पा रहा है।

एसडीएचसी डिवाइस

आपका डाटा एसडीएचसी कार्ड पर है, तो आपको एसडीएचसी डिवाइस की जरूरत पड़ेगी। कुछ एसडी कार्ड को रीड करने के लिए सॉफ्टवेयर डाउनलोड करने की जरूरत पड़ेगी या यह सॉफ्टवेयर पहले से उपलब्ध होगा, ताकि कार्ड रीड हो सके। इसलिए डिवाइस निर्माता की वेबसाइट पर जाकर देखें कि क्या कोई खास सॉफ्टवेयर है। डाटा रिकवर होते ही तुरंत उसकी एक कॉपी को कंप्यूटर की किसी ड्राइव में सेव कर लें।

बॉडी पार्ट्स के बाद अब बालों पर बनाएं मैटेलिक टैटू

फ्लूइड हेयर पेंटिंग के बाद अब हेयर टैटू ने तहलका मचा दिया है। सोचने की बात यह है कि कोई बालों पर टैटू किस तरह से चिपका सकता है। बालों के लिए इन विशेष टैटूज को फ्लैश मैटेलिक टैटू कह सकते हैं, जो कुछ दिनों से चर्चा में हैं।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि मैटेलिक टैटूज अलग और खूबसूरत दिखते हैं और युवाओं में कभी न कभी इन मैटेलिक टैटूज को लगाकर, दूसरों को जलाना का मन भी करता है। अब आता है इसका अहम हिस्सा कि आखिर इन टैटूज को बनवाया कैसे जाए। इसके लिए भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके लिए कुछ खास करने की भी आवश्यकता नहीं है। दूसरे किसी भी स्टिक-ऑन टैटूज की तरह इनका इस्तेमाल करें। ऐसे बनाएं बालों में टैटूः बस करना इतना है कि अपने बालों में अच्छी तरह मांग निकालकर उन्हें हल्का गीला कर लें। अगर आप इन्हें किसी खूबसूरत हेयरस्टाइल पर लगाने की सोच रही हैं तो पहले हेयरस्टाइल बना लें और फिर स्टिकर्स लगाएं। ये किसी चमकीले, अंडरस्टेटेड टियारा जैसे लगते हैं बिना उसके भार के! है न कमाल।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**